मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 254
गुरुवार, 02 अप्रैल 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

केरल में एलडीएफ और यूडीएफ दशकों से जनता को धोखा दे रहे हैं: राजनाथ सिंह

केरल, 01 अप्रैल। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को परवूर विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा के दौरान वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) पर केरल के मेहनती और ईमानदार लोगों को दशकों से धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोग दो गठबंधनों में से किसी एक को चुनने के लिए वोट नहीं देते, बल्कि उनमें से एक को सत्ता से हटाने के लिए वोट देते हैं। सिंह ने कहा कि एलडीएफ और यूडीएफ दोनों दशकों से केरल के मेहनती और ईमानदार लोगों को धोखा देते आ रहे हैं। उनके झंडे और चुनाव चिन्ह भले ही अलग हों, लेकिन उनका आचरण और चरित्र एक जैसा है। उनकी सोच भी एक जैसी है। दोनों ने समाज को बांटने और केरल की अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने का काम किया है।

राज्य के राजनीतिक चक्र पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने आगे कहा कि केरल के लोग एलडीएफ या यूडीएफ को चुनने के लिए वोट नहीं देते; बल्कि वे इन दोनों में से किसी एक को सत्ता से हटाने के लिए वोट देते हैं। लेकिन दुर्भाग्य से, दूसरा अपने आप सत्ता में आ जाता है। अपनी आलोचना को और तेज करते हुए सिंह ने कहा कि एलडीएफ का मतलब लूट, विभाजन और विफलता है, जबकि यूडीएफ अविश्वास, बेईमानी और धोखाधड़ी का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने आगे कहा कि केरल की जनता जानती है कि एलडीएफ का मतलब लूट, विभाजन और विफलता है। और यूडीएफ का मतलब अविश्वास, बेईमानी और धोखाधड़ी है। दोनों में 'एफ' का मतलब 'भ्रष्टाचार का मोर्चा' है।

ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले केरल में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए अभियान तेज कर दिया है।

गठबंधन का लक्ष्य मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन के नेतृत्व वाले सीपीआई (एम) के एलडीएफ के वर्चस्व को चुनौती देना है, जो लगभग एक दशक से सत्ता में है।

इस बीच, थिरुवल्ला से एनडीए उम्मीदवार अनूप एंटनी ने पार्टी की प्रगति पर भरोसा जताते हुए कहा कि भाजपा के वोट शेयर में पिछले कुछ वर्षों में लगातार वृद्धि हुई है और मतदाता अब एक विश्वसनीय विकल्प की तलाश में हैं।

ममता बनर्जी ने बीजेपी के खिलाफ खोला मोर्चा

कोलकता, 01 अप्रैल। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए पार्टी पर भूमि हड़पने, मतदाता नामों को हटाने और विभाजनकारी राजनीति में लिप्त होने का आरोप लगाया और राज्य में भाजपा को फिर से सत्ता में आने से रोकने का संकल्प लिया। पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि अमर्त्य सेन की जमीन हड़पने की कोशिश की गई। उन्हें बेदखल करने की कोशिश की गई। उन्हें शर्म आनी चाहिए।

पश्चिम बंगाल के इतिहास में पार्टी की भूमिका का जिक्र करते हुए बनर्जी ने कहा कि जब बंगाल स्वतंत्रता संग्राम में भाग ले रहा था, तब भाजपा का जन्म भी नहीं हुआ था। वे हमारा पैसा लूट रहे हैं और झूठ बोल रहे हैं। वे राम नवमी पर हथियार लेकर निकलते हैं। आगामी चुनावों पर उन्होंने जोर देते हुए कहा, भाजपा को हराना जरूरी है ताकि वह फिर कभी सत्ता में न आ सके...

इस बार बड़ा 'खेला' होगा। ममता का भाजपा पर जमीन हड़पने और मतदाता हेरफेर के आरोपों को लेकर हमला कोलकाता में मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के बाहर बढ़ते तनाव के बीच आया है, जहां फॉर्म 6 आवेदनों की भारी संख्या में जमा करने को लेकर झड़पें हुईं।

इससे पहले, मंगलवार को कोलकाता में मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के बाहर हिंसा भड़क उठी थी, जब टीएमसी और भाजपा कार्यकताओं के बीच इस आरोप को लेकर झड़पें हुईं कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले फॉर्म 6 को बड़ी संख्या में जमा किया जा रहा है। इस पृष्ठभूमि में, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इस मुद्दे पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि ₹भाजपा के एजेंट पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय में हजारों फर्जी फॉर्म 6 आवेदन भेजकर गैर-निवासियों और बाहरी लोगों को बंगाल की मतदाता सूची में शामिल करने का प्रयास करते हुए रंगे हाथों पकड़े गए हैं। यह मतदाता हेरफेर का प्रयास है।

डिफेंस डील: इजराइल से भारत को मिला जबरदस्त तोहफा, घातक एलएमजी की पहली खेप भेजी

नई दिल्ली, 01 अप्रैल। इजराइल की प्रमुख रक्षा कंपनी Israel Weapon Industries (IWI) ने India को हल्के मशीनगनों की पहली खेप की आपूर्ति कर दी है। यह आपूर्ति मेक इन इंडिया पहल के तहत की गई है, जिसमें तकनीक का हस्तांतरण भी शामिल है। कंपनी के अनुसार, कुल 41,000 नेगेव (7.62x51) LMG के बड़े अनुबंध के तहत 2,000 हथियारों की पहली खेप पिछले सप्ताह भारत पहुंचाई गई है। इसके अलावा इस साल के अंत तक 4,000 और मशीनगनों की आपूर्ति की जाएगी। यह परियोजना PLR Systems के जरिए पूरी की जा रही है, जो IWI और Adani Group का संयुक्त उद्यम है। यह भारत की पहली निजी कंपनी है जो छोटे हथियार और गोला-बारूद का निर्माण करती है।

नेगेव 7.62x51 LMG अपनी श्रेणी की सबसे हल्की मशीनगनों में से एक मानी जाती है। इसमें सेमी-ऑटोमैटिक और फुल-ऑटोमैटिक दोनों मोड उपलब्ध हैं, जिससे यह अलग-अलग परिस्थितियों में उपयोगी बनती है। इसका डिजाइन कठिन और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी बेहतर प्रदर्शन के लिए किया गया है। 7.62 मिमी गोला-बारूद के कारण यह मजबूत सुरक्षा घेरे को भी भेद सकती है, जिससे यह शहरी युद्ध और विशेष सैन्य अभियानों के लिए बेहद कारगर मानी जाती है। इस हथियार को हेलीकॉप्टर, सैन्य वाहनों और नौसेना प्लेटफॉर्म पर भी लगाया जा सकता है, जिससे इसकी उपयोगिता और बढ़ जाती है।

भारत और इजराइल के बीच पिछले साल रक्षा और तकनीकी सहयोग को बढ़ाने के लिए समझौता हुआ था। इस समझौते का मकसद सह-विकास और सह-उत्पादन को बढ़ावा देना है, जिससे भारत की रक्षा उत्पादन क्षमता मजबूत हो सके। नेगेव LMG की यह पहली खेप भारत की सैन्य ताकत को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। मेक इन इंडिया के तहत तकनीक हस्तांतरण से देश को आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन में भी मदद मिलेगी।

नेतन्याहू की चेतावनी: जंग अभी खत्म नहीं हुई, धीरे-धीरे तरीके से मिटाया जा रहा ईरान

इजराइल, 01 अप्रैल। ईरान के खिलाफ युद्ध में "बड़ी उपलब्धियों" की प्रशंसा करते हुए इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार शाम कहा कि इजराइल-अमेरिका का संयुक्त अभियान इस्लामी शासन को "व्यवस्थित तरीके से कुचल रहा है" और इस यहूदी राष्ट्र के सामने मौजूद अस्तित्वगत खतरों को खत्म कर रहा है। यहूदी पर्व 'पेसाच' (पासओवर) से पहले हिब्रू में राष्ट्र को संबोधित करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि "देर-सवेर" ईरानी शासन गिर जाएगा और इजराइल, तेहरान से उत्पन्न साझा खतरे के खिलाफ "क्षेत्र के महत्वपूर्ण देशों के साथ नए गठबंधन" बना रहा है। इजराइली प्रधानमंत्री ने किसी देश का नाम नहीं लिया, लेकिन संक्षेप में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि "जल्द ही मैं आपको इन महत्वपूर्ण गठबंधनों के बारे में और बता पाऊंगा। नेतन्याहू ने कहा,

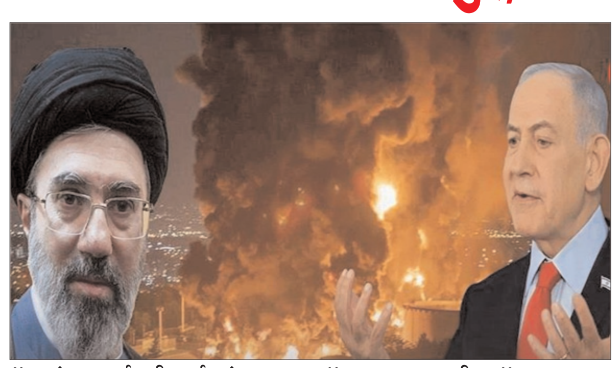

"स्वतंत्रता पर्व की पूर्व संध्या पर इजराइल पहले से कहीं अधिक मजबूत है। पूरी दुनिया ईरान के दुष्ट शासन के खिलाफ हमारी लड़ाई में हमारी दहाड़ सुन रही है, एक ऐसी लड़ाई जिसमें हमने अपार उपलब्धियां हासिल की हैं।" यह संबोधन ऐसे समय में आया जब देश लेबनान में जमीनी अभियान के दौरान चार सैनिकों की मौत पर शोक मना रहा है। उन्होंने संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि ये उपलब्धियां "कष्टदायक कीमत" चुकाकर हासिल हुई हैं। उन्होंने कहा, "अमेरिका के साथ हमारे संयुक्त अभियान का एक महीना पूरा होने पर हम उस आतंकवादी शासन को व्यवस्थित रूप से कुचल रहे हैं, जिसने दशकों तक 'अमेरिका की मौत, इजराइल की मौत' के नारे लगाए...अयातुल्लाओं के शासन ने हमें नष्ट करने, पूरे पश्चिम एशिया पर कब्जा करने और पूरी दुनिया को खतरे में डालने की बड़ी कोशिश की।

नेतन्याहू ने कहा, "इसने इन घातक महत्वाकांक्षाओं को परमाणु कार्यक्रम और बैलिस्टिक मिसाइलों के विकास, हमारे चारों ओर आतंकी संगठनों को वित्त और हथियार देने तथा उस पर लगे कड़े प्रतिबंधों को झेलकर आगे बढ़ाने की कोशिश की।" उन्होंने कहा, "अब मैं आपको बताना चाहता हूं: इतने वर्षों में इस सब पर ईरान ने लगभग एक हजार अरब डॉलर खर्च किए। और अब कहा जा सकता है कि यह पूरी राशि व्यर्थ चली गई।" ईरान पर किए गए प्रहारों में नेतन्याहू ने "उनके परमाणु कार्यक्रम, उनकी मिसाइलों, शासन के ढांचे, उसकी दमनकारी ताकतों और शीर्ष नेतृत्व पर प्रहार" को गिनाया। उन्होंने सात अक्टूबर 2023 के बाद से इजराइल द्वारा मारे गए ईरान, हिजबुल्ला और हमास के नेताओं के नाम गिनाते हुए कहा, "तानाशाह खामेनेई से लेकर परमाणु वैज्ञानिकों तक और रिवोल्यूशनरी गार्ड व बासिज के हत्यारे नेताओं तक, इसके अलावा नसरल्लाह, हनियेह, डेइफ, सिनवार और भी कई अन्य।'

' नेतन्याहू ने दावा किया कि ईरान "पहले से कहीं कमजोर" और इजराइल "पहले से कहीं मजबूत" है और इस्लामी गणराज्य के खिलाफ अभियान "अभी समाप्त नहीं हुआ है।" उन्होंने यह भी कहा कि इजराइल ने दुनिया को ईरान से उत्पन्न खतरे के प्रति जागरूक किया है, जहां अधिकांश नेता इसे चुपचाप स्वीकार कर रहे हैं और कुछ इसके खिलाफ कदम भी उठा रहे हैं। उन्होंने कहा, "मैंने पश्चिम एशिया के नेताओं से गुप्त और सार्वजनिक बैठकों में बात की। मैंने यूरोप के नेताओं से बात की। मैंने अमेरिका के नेताओं और राष्ट्रपति से भी बात की। उन्होंने खतरे को पूरी तरह नहीं समझा था।

बीजेपी दफ्तर के बाहर धमाके से सनसनी

चंडीगढ। चंडीगढ़ में पंजाब भाजपा कार्यालय के बाहर कम तीव्रता का एक संदिग्ध विस्फोट हुआ। यह घटना सेक्टर 37 स्थित कार्यालय के पास पार्किंग क्षेत्र में घटी। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि विस्फोट मामूली था। चंडीगढ़ पुलिस घटना की जांच कर रही है। हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। शुरूआती रिपोर्टों के अनुसार, बैटरी विस्फोट विस्फोट का कारण बताया जा रहा है, हालांकि इसकी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

चंडीगढ़ के सेक्टर 37 में पंजाब भाजपा कार्यालय के बाहर एक संदिग्ध विस्फोट की आवाज सुनने के बाद सीएफएसएल और चंडीगढ़ पुलिस के अधिकारियों की टीमें जांच कर रही हैं। भाजपा मीडिया प्रभारी विनीत जोशी ने बताया कि शाम करीब 5 बजे यहां धमाका हुआ और काफी धुआं दिखाई दिया। धमाके के बाद अफरा-तफरी का माहौल छा गया। एक स्कूटी और एक कार क्षतिग्रस्त हो गई। यह चिंता का विषय है। पार्टी कार्यालय के पास धमाका होना चिंताजनक है। पिछले चार दिनों से भाजपा प्रदेश के अध्यक्ष यहां ठहरे हुए थे और ऐसे समय में धमाका होना गंभीर चिंता का विषय है। केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) की एक टीम साक्ष्य जुटाने और स्थिति का आकलन करने के लिए घटनास्थल पर पहुंच गई है।

चीन की टेबल पर दुश्मन आमने-सामने, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच वार्ता शुरू

चीन। चीन के शहर उरुमकी में आज पाकिस्तान, अफगानिस्तान और चीन के अधिकारियों की एक अहम बैठक हो रही है। यह बैठक तीनों देशों के बीच चल रहे त्रिपक्षीय तंत्र के तहत आयोजित की गई है। यह बातचीत ऐसे समय हो रही है जब हाल ही में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव काफी बढ़ गया था। पाकिस्तान ने 26 फरवरी को ऑपरेशन गजब-उल-हक चलाया था, जिसमें उसने अफगानिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया था। रिपोर्ट के अनुसार, यह बैठक किसी औपचारिक मध्यस्थता के लिए नहीं है, बल्कि हालात को समझने और अपने-अपने पक्ष रखने के लिए की जा रही है।

आर के मीडिया

हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए

सम्पर्क करे: 9199355950

DAKS REHAB CENTRE

(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)

Contact us: 9820519851

विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

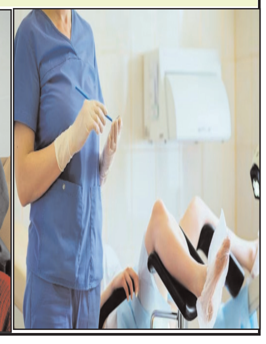

NEW LIGHT CLASSES

TRADITION OF EXCELLENCE

2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN

ALL OVER INDIA

ENROLL NOW

SMART CLASSROOM

(ONLINE/OFFLINE)

Courses Offered

- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

हनुमान जयंती (2 अप्रैल 2026) विशेष

अपने भीतर के हनुमान को जगाने का पर्व

-ललित गर्ग

हनुमान जयंती केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानव जीवन के चरित्र-निर्माण, आत्मबल, संयम, सेवा और समर्पण की प्रेरणा देने वाला महान दिवस है। यह दिन हमें मंदिरों में दीप जलाने से अधिक अपने भीतर के अंधकार को दूर करने का संदेश देता है। हनुमान केवल शक्ति के प्रतीक नहीं हैं, वे शक्ति के सदुपयोग, ज्ञान की विनम्रता, भक्ति की पराकाष्ठा और सेवा की परंपरा के प्रतीक हैं। इसलिए हनुमान जयंती मनाने का वास्तविक अर्थ है-अपने भीतर के हनुमान को जगाना। हनुमान जी को मंगलकर्ता और विघ्नहर्ता कहा गया है। लेकिन वे विघ्न केवल बाहरी नहीं हटाते, वे मनुष्य के भीतर के विघ्न-अहंकार, भय, आलस्य, क्रोध, लोभ, मोह, इन सबका भी नाश करते हैं। आज का मनुष्य बाहरी समस्याओं से कम और आंतरिक कमजोरियों से अधिक परेशान है। इसलिए आज हनुमान की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक है।

हनुमान शक्ति के प्रतीक हैं, लेकिन उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने कभी अपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने अपनी शक्ति को सेवा में लगाया। आज का युग शक्ति प्रदर्शन का युग बन गया है-धन का

प्रदर्शन, पद का प्रदर्शन, ज्ञान का प्रदर्शन, शक्ति का प्रदर्शन। लेकिन हनुमान हमें सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का प्रदर्शन नहीं, उसका संरक्षण और सदुपयोग ही महानता है। सर्वशक्तिमान होकर भी उन्होंने स्वयं को ह्लराम का दासह्व कहा। इससे बड़ी विनम्रता और क्या हो सकती है? हनुमान हमें यह भी सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का अहंकार नहीं होना चाहिए। ज्ञान यदि विनम्रता नहीं देता, तो वह अज्ञान है। शक्ति यदि सेवा में नहीं लगती, तो वह विनाश का कारण बनती है। इसलिए हनुमान शक्ति और ज्ञान के साथ-साथ विनम्रता और सेवा के भी प्रतीक हैं।

हनुमान को ज्ञानियों में अग्रगण्य कहा गया है-ज्ञानिनामग्रगण्यम। वे केवल बलवान नहीं थे, वे महान विद्वान, व्याकरणाचार्य, तर्कशास्त्री, संगीतज्ञ और नीतिज्ञ भी थे। लेकिन इतनी विद्या होने पर भी उनमें अहंकार नहीं था। वे सरलता, सादगी और सेवा के प्रतीक बने रहे। आज शिक्षा बढ़ रही है, लेकिन विनम्रता घट रही है। डिग्रियाँ बढ़ रही हैं, लेकिन चरित्र घट रहा है। ऐसे समय में हनुमान का चरित्र हमें ज्ञान के साथ विनम्रता का संतुलन सिखाता है। हनुमानजी को हिन्दू देवताओं में सबसे शक्तिशाली माना गया है, वे रामायण जैसे महाग्रंथ के सह पात्र थे। वे भगवान शिव के ग्यारवें रूद्र अवतार थे जो श्रीराम की सेवा करने और उनका साथ देने त्रेता युग में अवतरित हुए थे। उनको बजरंग बलि, मारुतिनंदन, पवनपुत्र, केशरीनंदन आदि अनेकों नामों से पुकारा जाता है। उनका एक नाम वायुपुत्र भी है, उन्हें वातात्मज भी कहा गया है अर्थात वायु से उत्पन्न होने वाला। इन्हें सात चिरंजीवियो में से एक माना जाता है। वे सभी कलाओं में सिद्धहस्त एवं माहिर थे। वीरो में वीर, बुद्धिजीवियों में सबसे विद्वान। इन्होंने अपने पराक्रम और विद्या से अनेकों कार्य चुटकीभर समय में पूर्ण कर दिए है। वे शौर्य, साहस और नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। समर्पण एवं भक्ति उनका सर्वाधिक लोकप्रिय गुण है। रामभक्त हनुमान बल, बुद्धि और विद्या के सागर तो थे ही, अष्ट सिद्धि और नौ निधियों के दाता और ज्योतिष के भी प्रकांड विद्वान थे।

हनुमान के जीवन में तीन महान तत्व दिखाई देते हैं-ज्ञान, भक्ति और कर्म। ज्ञान उन्हें दिशा देता है, भक्ति उन्हें प्रेरणा देती है और कर्म उन्हें महान बनाता है। यदि किसी व्यक्ति के जीवन में ज्ञान है पर कर्म नहीं, तो वह अधूरा है। यदि कर्म है पर भक्ति नहीं, तो उसमें संवेदना नहीं होगी। यदि भक्ति है पर ज्ञान नहीं, तो वह अंधविश्वास बन सकती है। इन तीनों का समन्वय यदि किसी चरित्र में दिखाई देता है, तो वह हनुमान का चरित्र है। हनुमान का जीवन संयम का जीवन था। वे बलशाली थे, पर ब्रह्मचारी थे। वे विद्वान थे, पर विनम्र थे। वे वीर थे, पर शांत थे। वे शक्तिशाली थे, पर सेवक थे। यह संतुलन ही उन्हें महान बनाता है। आज मनुष्य के पास साधन हैं, पर संयम नहीं। ज्ञान है, पर दिशा नहीं। शक्ति है, पर सेवा नहीं। इसलिए समाज में अशांति बढ़ रही है। हनुमान का जीवन हमें संयम और संतुलन का संदेश देता है। हनुमान के बाल स्वरूप की कथा भी अत्यंत प्रेरणादायक है। बालक हनुमान ने सूर्य को फल समझकर पकड़ने का प्रयास किया। यह केवल एक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि एक महान संदेश है। यह बालकों की असीम जिज्ञासा, उत्साह और ऊर्जा का प्रतीक है। यह कथा समाज को संदेश देती है कि बच्चों की जिज्ञासा को दबाया नहीं जाना चाहिए, उसे सही दिशा देनी चाहिए। यदि बालकों को सही मार्गदर्शन मिले, तो उनमें से हर बालक हनुमान बन सकता है-ऊर्जावान, जिज्ञासु, साहसी और रचनात्मक। आज के माता-पिता और समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि वे बच्चों में हनुमान जैसे गुण विकसित करें-साहस, जिज्ञासा, अनुशासन, सेवा, विनम्रता और भक्ति। यदि बचपन में ही यह संस्कार मिल जाएं, तो समाज का भविष्य उज्ज्वल हो सकता है। हनुमान भक्ति का वास्तविक अर्थ भी समझना जरूरी है। हनुमान भक्ति केवल चालीसा पढ़ना नहीं है, बल्कि हनुमान के गुणों को जीवन में उतारना है।

हनुमान भक्ति का अर्थ है- अहंकार छोड़ना, सेवा करना, सत्य का साथ देना, संयम रखना, कर्तव्य निभाना और अपने जीवन को किसी महान उद्देश्य से जोड़ना। जब तक भक्ति केवल मंदिर तक सीमित रहेगी, तब तक भगवान अलग रहेंगे और भक्त अलग रहेगा। जब भक्ति जीवन बन जाती है, तब भगवान और भक्त अलग नहीं रहते। हनुमान की भक्ति प्रदर्शन नहीं, आत्मपरिवर्तन की प्रक्रिया है। यह भक्ति व्यक्ति को भीतर से बदल देती है-अहंकार की जगह विनम्रता, क्रोध की जगह क्षमा, भय की जगह साहस और निराशा की जगह आशा भर देती है। आज समाज में सबसे बड़ी समस्या शक्ति की नहीं, चरित्र की है; ज्ञान की नहीं, दिशा की है; साधनों की नहीं, संयम की है। इसलिए आज समाज को हनुमान की जरूरत है-मंदिरों में नहीं, जीवन में; मूर्तियों में नहीं, व्यक्तित्व में। हर व्यक्ति के भीतर एक हनुमान सोया हुआ है- किसी में साहस का हनुमान, किसी में सेवा का हनुमान, किसी में ज्ञान का हनुमान, किसी में भक्ति का हनुमान। जरूरत केवल उसे जगाने की है। अपने भीतर के हनुमान को जगाने का अर्थ है-अपने भीतर के भय को हराना, अपने भीतर के अहंकार को मिटाना, अपने भीतर की शक्ति को सेवा में लगाना, अपने ज्ञान को समाज के काम में लगाना, अपने जीवन को किसी महान उद्देश्य से जोड़ना। यदि हनुमान जयंती पर हम केवल पूजा करें और संकल्प न बदलें, तो यह पर्व अधूरा है। यदि हम अपने जीवन में साहस, सेवा, संयम, विनम्रता और भक्ति का एक भी गुण उतार लें, तो हनुमान जयंती सार्थक हो जाएगी। आज आवश्यकता मंदिरों में हनुमान खोजने की नहीं, अपने भीतर हनुमान जगाने की है। जब व्यक्ति के भीतर हनुमान जागेगा, तब उसका भय समाप्त होगा। जब समाज के भीतर हनुमान जागेगा, तब अन्याय समाप्त होगा। जब राष्ट्र के भीतर हनुमान जागेगा, तब कमजोरी समाप्त होगी। हनुमान जयंती हमें यही संदेश देती है कि महानता शक्ति में नहीं, शक्ति के सदुपयोग में है; ज्ञान में नहीं, ज्ञान की विनम्रता में है; भक्ति में नहीं, भक्ति के समर्पण में है। इस हनुमान जयंती पर हम संकल्प लेना चाहिए- हम शक्ति का प्रदर्शन नहीं, संरक्षण करेंगे। हम ज्ञान का अहंकार नहीं, विनम्रता रखेंगे। हम भक्ति का प्रदर्शन नहीं, जीवन में समर्पण लाएंगे। हम अपने भीतर के हनुमान को जगाएंगे। यदि हर व्यक्ति अपने भीतर के हनुमान को जगा ले, तो परिवार सुधर जाएगा, समाज सुधर जाएगा, राष्ट्र सुधर जाएगा और मानवता का भविष्य उज्ज्वल हो जाएगा। यही हनुमान जयंती का वास्तविक संदेश है- अपने भीतर के हनुमान को जगाइए, जीवन को शक्ति, ज्ञान, भक्ति और सेवा का संगम बनाइए।

भाजपाके लिए आगामी विधानसभा चुनाव केवल एक चुनाव नहीं बल्कि राजनीतिक परिपक्वता की पाँच अलग-अलग परीक्षाएँ हैं

अशोक भाटिया

इन पाँच राज्यों में से एक है असम जहाँ भाजपा एक आशावान के रूप में प्रवेश नहीं करती, जो अपने पैर जमाने की तलाश में हो। वह यहाँ एक बदली हुई राजनीतिक जलवायु की वास्तुकार सत्तारूढ़ पार्टी के रूप में प्रवेश करती है। पिछले एक दशक में, राज्य एक ऐसे माहौल से आगे बढ़ा है जो कभी उग्रवाद, अनिश्चितता और असमान संपर्कता से प्रभावित था, अब यहाँ प्रशासनिक नियंत्रण, सड़कें, पुल, कल्याणकारी योजनाओं का वितरण और राज्य क्षमता की मजबूत भावना अधिक स्पष्ट रूप से दिखती है। यह परिवर्तन न तो पूर्ण है और न ही आलोचना से परे, लेकिन यह इतना वास्तविक है कि मतदाता 126 सीटों के इस चुनाव को जिस मूड के साथ देखते हैं, उसे आकार देता है।

मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा इस कहानी के केंद्र में बने हुए हैं। उनकी सार्वजनिक शैली सीधी, राजनीतिक रूप से तीक्ष्ण और हस्तक्षेपकारी है। समर्थक उन्हें निर्णायक और ऊर्जावान मानते हैं, आलोचक उनमें केंद्रीकरण और अतिक्रमण देखते हैं। भाजपा के लिए, यह व्यक्तिगत नेतृत्व पूंजी इसलिए मायने रखती है क्योंकि असम अब पिछले चुनावों की तुलना में एक कठिन सवाल पूछ रहा है। मुद्दा अब केवल इतना नहीं है कि क्या पार्टी स्थिरता लाई। यह है कि क्या वह स्थिरता को समृद्धि की अगली पीढ़ी में बदल सकती है।संभावित फैसला अभी भी निरंतरता की ओर झुका हुआ है। बहुमत का आंकड़ा 64 है। हालाँकि, असम में भाजपा के लिए आगे सिर्फ एक और कार्यकाल नहीं है। यह आश्वासन की राजनीति से अपेक्षा की राजनीति में संक्रमण है।

पश्चिम बंगाल इस चुनावी चक्र में सबसे अधिक भावनात्मक रंगमंच बन गया है, एक ऐसा राज्य जहाँ राजनीति केवल घटित नहीं होती बल्कि अपना अभिनय करती है। यहाँ, हर चुनाव अभियान स्मृति, पहचान, शिकायत, भाषा, प्रतीकवाद और सत्ता की वैधता पर एक प्रतिस्पर्धा भी है। इसलिए 294 सीटों का विधानसभा चुनाव सिर्फ दलों के बीच की दौड़ नहीं है। यह एक संघर्ष है कि कौन बंगालियों को बंगाल की कहानी सुनाएगा। चुनाव पूर्व भाजपा ने बंगाल को अपरिवर्तनीय रूप से बदल दिया है। वह अब कोई बाहरी व्यक्ति नहीं है जो कभी-कभार शोर मचाता हो। वह प्रमुख चुनौतीकर्ता है, वह मुख्य ध्रुव है जिसके इर्द-गिर्द तृणमूल विरोधी राजनीति अब संगठित है। पार्टी ने राज्य के बड़े हिस्सों में, विशेष रूप से जहाँ स्थानीय भ्रष्टाचार, हिंसा या बहिष्कार के खिलाफ शिकायत गुस्से में बदल गई है, कार्यकर्ताओं की ताकत बनाई है। उसने बंगाल में एक दूसरी शब्दावली बनाई है: संरक्षण के बजाय शासन, सिंडिकेट शक्ति के बजाय जवाबदेही, प्रबंधित निर्भरता के बजाय आकांक्षा।

तमिलनाडु लंबे समय से वह राज्य रहा है जहाँ भारतीय राष्ट्रीय राजनीति को क्षेत्रीय स्मृति के सामने स्वयं को विनम्र करना पड़ता है। दशकों से, द्रविड़ विचारधारा, भाषाई गौरव, कल्याणकारी राजनीति और करिश्माई क्षेत्रीय नेतृत्व ने एक ऐसी राजनीतिक संस्कृति को आकार दिया है जिसका अपना व्याकरण है। राष्ट्रीय दल बहस में प्रवेश कर सकते हैं, लेकिन वे केवल लिपि को अधिलिखित नहीं कर सकते। यही तमिलनाडु को भाजपा के लिए सबसे कठिन और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सीमाओं में से एक बनाता है।

234 सीटों का यह चुनाव एक ऐसे राज्य में हो रहा है जो आर्थिक रूप से आत्मविश्वासी, सामाजिक रूप से आत्म-जागरूक और राजनीतिक रूप से अनुशासित है। तमिलनाडु बदलाव का विरोध नहीं कर रहा है, वह यह परख रहा है कि इसे परिभाषित करने का अधिकार किसे मिलता है। भाजपा का अवसर ठीक यहीं है। एक युवा मतदाता तेजी से रोजगार, उद्योग, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र, बुनियादी ढांचे, शिक्षा और निवेश के संदर्भ में सोचता है। तमिलनाडु की आर्थिक पहचान इतनी मजबूत है कि कई शहरी और अर्ध-शहरी वर्गों में वैचारिक भाषा के समान ही विकास की भाषा मायने रखती है। राजग की रणनीति इसलिए नाटकीय रूपांतरण पर कम और अंशांकित विस्तार पर अधिक निर्भर करती है। गठबंधन की राजनीति महत्वपूर्ण हो जाती है। भाजपा अकेले अभी भी गहराई बना रही है, लेकिन गठबंधन के भीतर वह संदेश को आकार दे सकती है और एक व्यापक सत्ता-विरोधी विकल्प की छवि बना सकती है। यह एक ऐसी राजनीति में मायने रखता है जहाँ धारणा अक्सर सफलता से पहले आती है।

फिर भी, बाधाएँ वास्तविक बनी हुई हैं। कई मतदाताओं के लिए, भाजपा अभी भी एक ऐसी पार्टी की छवि रखती है जो भाषा, संघीय स्वायत्तता और सांस्कृतिक गौरव के बारे में तमिल चिंताओं के प्रति पर्याप्त रूप से सजग नहीं है। द्रमुक और उसका तंत्र जानता है कि इन चिंताओं को प्रभावी ढंग से सक्रिय कैसे करना है। कोई भी राष्ट्रीय विकास प्रस्ताव जो क्षेत्रीय गरिमा के प्रति असंवेदनशील प्रतीत होता है, वह राजनीतिक रूप से महंगा साबित हो सकता है। सदन की कुल सीटें 234 हैं, बहुमत के लिए 118 की आवश्यकता है। सबसे संभावित स्थिति यह है कि प्रमुख द्रविड़ गठबंधन बढ़त बनाए रखे, जबकि राजग अपनी सफलता दर और राजनीतिक प्रासंगिकता में सुधार का प्रयास करेगा।तमिलनाडु में भाजपा के लिए आगे जो है, वह एक चुनाव के नतीजे से अधिक मायने रख सकता है। एक मजबूत वोट शेयर और एक अधिक विश्वसनीय गठबंधन स्थिति यह संकेत देगी कि राज्य अभेद्यता से प्रतिस्पर्धा की ओर बढ़ रहा है। यह अकेले ही दक्षिणी राजनीतिक गणनाओं को काफी हद तक बदल सकता है। केरल राजनीतिक धैर्य सिखाता है। यह एक ऐसा राज्य है जहाँ साक्षरता विचारधारा को तीक्ष्ण बनाती है, जहाँ सार्वजनिक बहस असामान्य रूप से गहन है, और जहाँ दो प्रमुख गठबंधनों ने दशकों से चुनावी जीवन को इतनी पूर्णता से संरचित किया है कि तीसरी ताकतें अक्सर स्वयं को दृश्यमान फिर भी सीमित पाती हैं। 140 सीटों का विधानसभा चुनाव एक बार फिर मुख्य रूप से वाम लोकतांत्रिक मोर्चा और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा के बीच की प्रतियोगिता है। इस द्विध्रुवीयता के भीतर, भाजपा तात्कालिक जीत से अधिक सूक्ष्म कुछ करने का प्रयास कर रही है: वह संरचनात्मक रूप से अपरिहार्य बनने की कोशिश कर रही है। यह प्रयास क्रमिक, असमान और अक्सर निराशाजनक रहा है। भाजपा की दृश्यता बढ़ी है, उसने पिछले चुनावी चक्रों में अपना वोट शेयर सुधारा है, और खुद को राजनीतिक वातार्लाप का हिस्सा बना लिया है जैसा कि वर्षों पहले असंभव लगता था। उसके पास शहरी क्षेत्रों में अपील है, वह युवा आकांक्षी मतदाताओं का ध्यान आकर्षित करती है, और राष्ट्रीय दृश्यता से लाभान्वित होती है जिसे राज्य के दोनों प्रमुख मोर्चे पूरी तरह से नजरअंदाज नहीं कर सकते। फिर भी यह लगातार सीटों में तब्दील नहीं हुआ है, क्योंकि केरल का चुनावी नक्शा असंतोष को वाम-जनतांत्रिक गठबंधन और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा धुरी में वापस लौटाने में कुख्यात रूप से प्रभावी है।

तो, केरल में भाजपा किसके लिए लड़ रही है? केवल सीटों के लिए नहीं, हालाँकि सीटें मायने रखती हैं। वह मतदाताओं के मन में वैधता के लिए लड़ रही है जो शायद अभी उसे चुनावी रूप से समर्थन न दें लेकिन केरल के भविष्य के हिस्से के रूप में उसकी बात सुनने को तेजी से तैयार हैं। यह विस्तार की एक धीमी प्रक्रिया है, लेकिन अगर इसे बनाए रखा गया तो संभावित रूप से महत्वपूर्ण हो सकती है। रोजगार, पलायन, युवा अवसर, राजकोषीय दबाव और प्रशासनिक प्रदर्शन से जुड़े सवाल बहस को गतिशील बनाए रखते हैं। भाजपा के सामने चुनौती खुद को केरल के कल्याण लोकाचार के लिए एक विघटनकारी बाहरी व्यक्ति के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसी ताकत के रूप में पेश करना है जो सामाजिक विकास को दक्षता, उद्यमशीलता और राष्ट्रीय संपर्क के साथ पूरक कर सके।

विधानसभा में 140 सीटें हैं; बहुमत के लिए 71 की आवश्यकता है। कुछ ही लोग उम्मीद करते हैं कि भाजपा जल्द ही इस मानक के करीब पहुंचेगी। लेकिन सफलता का तात्कालिक मापदंड यह नहीं है।केरल में पार्टी के लिए आगे क्रमिक संस्थागतकरण है: मजबूत बूथ नेटवर्क, बेहतर स्थानीय चेहरे, और दृश्यता को प्रतिनिधित्व में बदलने की बढ़ती क्षमता। भाजपा इस तर्क को समझती है।

पुडुचेरी इतना छोटा है कि इसे कम करके आंका जा सकता है और राजनीतिक रूप से इतना महत्वपूर्ण है कि इसे कभी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। भाजपा के लिए, पुडुचेरी वैचारिक विस्तार की प्रयोगशाला से कम और सहयोगी शक्ति की परीक्षा अधिक है। यह यहाँ गठबंधन के ढांचे के भीतर काम करती है, और यह वास्तविकता लाभ और भेद्यता दोनों लाती है। एक ओर, गठबंधन शासन पार्टी को केंद्र-संबद्ध प्रशासनिक तालमेल, राष्ट्रीय योजनाओं तक पहुंच, और एक सहायक संघीय चैनल के माध्यम से स्थानीय प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने की क्षमता प्रदर्शित करने की अनुमति देता है। दूसरी ओर, गठबंधन की राजनीति का अर्थ है कि श्रेया साझा की जाती है, आलोचना वितरित की जाती है, और भाजपा की स्वतंत्र पहचान अविकसित रह सकती है।

यह चुनाव इसलिए केवल प्रभाव बनाए रखने से अधिक के बारे में है। यह इस बारे में है कि क्या सत्तारूढ़ गठबंधन मतदाताओं को यह विश्वास दिला सकता है कि केंद्र के साथ तालमेल से ठोस परिणाम मिलते हैं: बेहतर बुनियादी ढांचा, पर्यटन विकास, रोजगार, सुगम प्रशासन और एक मजबूत विकास रोडमैप। पुडुचेरी जैसी जगह पर, मतदाता उल्लेखनीय रूप से व्यावहारिक हो सकते हैं। वे अक्सर अमूर्त वैचारिक संघर्ष की तुलना में जमीन पर जो काम करता है, उससे अधिक प्रभावित होते हैं।

संकट मोचन मंदिर : जहां भक्त की भक्ति पर प्रकट हुए बजरंगबलि

-सुरेश गांधी

काशी, अर्थात वाराणसी, सिर्फ एक शहर नहीं, बल्कि वह अनादि चेतना है, जहां समय ठहरकर आध्यात्मिकता का अर्थ समझाता है। यहां हर घाट एक कथा है, हर मंदिर एक इतिहास, और हर आस्था एक अनुभव। इसी दिव्य नगरी के मध्य स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर वह स्थल है, जहां भक्ति ने ईश्वर को साकार रूप में प्रकट होते देखा है। यह केवल मंदिर नहीं, यह विश्वास का वह केंद्र है, जहां संकटों से घिरे मनुष्य को आश्रय मिलता है, जहां आंखों में भरे आंसू प्रार्थना बनते हैं और जहां हर ह्यअसंभवह्ल संभव हो जाता है। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में यह मान्यता रही है कि जब भक्ति अपने चरम पर पहुंचती है, तो ईश्वर स्वयं प्रकट होते हैं। यह कोई कल्पना नहीं, बल्कि काशी के इस पावन स्थल पर घटित एक ऐतिहासिक सत्य है।

16वीं शताब्दी में संत शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जब रामकथा के माध्यम से जन-जन में भक्ति का संचार कर रहे थे, तब उनके जीवन में एक ऐसा मोड़ आया जिसने उन्हें अमरत्व प्रदान कर दिया। कथा के दौरान एक साधारण, कुष्ठग्रस्त ब्राह्मण प्रतिदिन उपस्थित रहता था। वह शांत भाव से कथा सुनता, किसी से संवाद नहीं करता। तुलसीदास के मन में जिज्ञासा जगी, परंतु रहस्य का उद्घाटन तब हुआ जब एक अलौकिक संकेत मिला, वह ब्राह्मण कोई साधारण व्यक्ति नहीं, बल्कि स्वयं पवनपुत्र हनुमान जी हैं। यह जानकर तुलसीदास का मन व्याकुल हो उठा। उन्होंने उस ब्राह्मण का पीछा किया, और फिर वह क्षण आया जिसने इतिहास बदल दिया। एकांत में पहुंचते ही वह ब्राह्मण दिव्य प्रकाश में परिवर्तित हुआ और अपने वास्तविक स्वरूप में प्रकट हुआ, वह थे संकटमोचन, भक्तवत्सल हनुमान।

चित्रकूट की ओर : जहां भक्त को मिला भगवान

हनुमान जी के दर्शन से अभिभूत तुलसीदास ने अपने आराध्य भगवान राम के दर्शन की इच्छा व्यक्त की। हनुमान जी ने उन्हें मार्ग बताया, चित्रकूट। तुलसीदास चित्रकूट पहुंचे। वहां संतों की भीड़ थी, भक्ति का वातावरण था, और उसी भीड़ में एक साधारण बालक के रूप में स्वयं भगवान राम उपस्थित थे। तुलसीदास ने उन्हें पहचान लिया :-

चित्रकूट के घाट पर भई संतन की भीड़,

तुलसीदास चंदन घिसय तिलक देत रघुबीर।

यह केवल एक चौपाई नहीं, बल्कि उस क्षण का जीवंत चित्र है, जब भक्त और भगवान आमने-सामने खड़े थे।

संकटमोचन की स्थापना : जहां आस्था ने आकार लिया

भगवान राम के दर्शन के पश्चात तुलसीदास पुनः काशी लौटे। जिस स्थान पर उन्हें हनुमान जी के दर्शन हुए थे, वहीं उन्होंने हनुमान जी की मूर्ति स्थापित की। यह वही स्थान है, जो आज संकटमोचन मंदिर के रूप में विश्वभर में प्रसिद्ध है। यहां स्थापित हनुमान जी की मूर्ति अन्य मंदिरों से भिन्न है। यह केवल एक प्रतिमा नहीं, बल्कि वह दिव्य प्रतीक है, जिसमें भक्तों को साक्षात उपस्थिति का अनुभव होता है। सिन्दूरी रंग से आच्छादित यह मूर्ति दक्षिणमुखी है, और विशेष बात यह है कि इसकी दृष्टि सदैव भगवान राम की ओर रहती है। यह केवल स्थापत्य नहीं, बल्कि भक्ति की पराकाष्ठा का प्रतीक है।

तुलसीघाट : जहां शब्द बने शास्त्र

संकटमोचन मंदिर के निकट स्थित तुलसीघाट वह स्थान है, जहां तुलसीदास ने गंगा के तट पर बैठकर रामचरितमानस की रचना की। यहां का पीपल वृक्ष, घाट की सीढ़ियां, और गंगा की धारा, सब उस युग की साक्षी हैं, जब एक साधक ने अपने तप और भक्ति से एक ऐसा ग्रंथ रचा, जो आज भी करोड़ों लोगों के जीवन का आधार है। तुलसीदास का जीवन संघर्षों से भरा था, बाल्यकाल में अनाथ, जीवन में उपेक्षित, परंतु भक्ति में अडिग। यही अडिगता उन्हें उस ऊंचाई तक ले गई, जहां उनका नाम अमर हो गया।

मंदिर का वर्तमान स्वरूप : परंपरा और आधुनिकता का संगम

लगभग साढ़े आठ एकड़ में फैला संकटमोचन मंदिर परिसर आज भी अपनी मूल आध्यात्मिक ऊर्जा को संजोए हुए है। हरे-भरे वृक्ष, शांत वातावरण, और भक्ति से ओतप्रोत श्रद्धालु, यह सब मिलकर एक ऐसा अनुभव रचते हैं, जो शब्दों से परे है। मंदिर में नियमित रूप से चारों पहर आरती होती है। सुबह की आरती भोर की पहली किरण के साथ शुरू होती है, जब घंटों और घड़ियालों की ध्वनि वातावरण को दिव्यता से भर देती है। शाम की आरती में पूरा परिसर हनुमान चालीसा के स्वर से गूंज उठता है, मानो स्वयं आस्था संगीत बन गई हो।

काशी का संकटमोचन मंदिर हमें यह सिखाता है कि भक्ति केवल पूजा नहीं, बल्कि जीवन का मार्ग है। जब मनुष्य अपने अहंकार को त्यागकर पूर्ण समर्पण के साथ ईश्वर की ओर बढ़ता है, तब उसे न केवल समाधान मिलता है, बल्कि जीवन का वास्तविक अर्थ भी समझ में आता है। यह मंदिर आज भी उसी सत्य का जीवंत प्रमाण है, जहां सच्ची आस्था हो, वहां भगवान स्वयं प्रकट होते हैं, और जहां भगवान हों, वहां कोई संकट स्थायी नहीं रहता।

मंदिर के महंत बिशम्भरनाथ मिश्र के मुताबिक तुलसीदास का सर्वाधिक समय अस्सी घाट पर ही बीता, जिसे अब तुलसीघाट कहा जाता है। यही तुलसी मंदिर या तुलसीदास का अखाड़ा है, जिसमें गोस्वामी जी रहते थे। यही उनका देहावसान हुआ। संवत 1680 अस्सी गंग के तीर। श्रावण कृष्ण तीज शनि तुलसी तज्यों शरीर।। उनका बचपन बहुत ही कष्टमय व्यतीत हुआ, भिक्षाटन तक करना पड़ा। दर-दर भटकना पड़ा। उनकी शादी रत्नावली नाम की कंया से हुई थी। उनकी खड़ाऊं आज भी तुलसीघाट में महंत परिवार के पास सुरक्षित है। जिस नाव पर बैठकर वह मानस लिखा करते थे, उसका टुकड़ा आज भी वहां सहेज कर रखा गया है। इस दौरान वह कई-कई दिनों तक घाट के ऊपर ही बैठे रह जाते थे और मानस को लिखते थे। उनके रहने के घर को राजा टोडरमल ने बनवाया था। रामचरित मानस कवितावली, विनय पत्रिका, दोहावली, श्रीकृष्ण गीतावली, पार्वती मंगल रामाज्ञा, कृष्ण हनुमान, बहूक हनुमान चालिसा, रामलला नक्षुजानकी मंगल, वैराज्ञ संदीपनी आदि उनके ग्रंथों की कुछ पांडुलिपियां अखाड़ा गोस्वामी तुलसीदास, तुलसीघाट में सुरक्षित है।

वाराणसी की सुबह केवल सूरज के उगने से नहीं होती, वह आरंभ होती है घंटों की गूंज, गंगा की लहरों और भक्ति की उस अनुगूंज से, जो आत्मा को भीतर तक छू जाती है। इसी आध्यात्मिक स्पंदन के मध्य, वृक्षों की छांव और श्रद्धा की छाया में स्थित है संकट मोचन हनुमान मंदिर, एक ऐसा स्थल, जहां इतिहास केवल लिखा नहीं गया, बल्कि जिया गया है। यहां हवा में एक अदृश्य संवाद तैरता है, भक्त और भगवान के बीच का। कहते हैं, कुछ स्थान केवल ईंट-पत्थरों से नहीं बनते, वे बनते हैं आंसुओं, तपस्या और उस अटूट विश्वास से, जो समय को भी झुकने पर मजबूर कर दे। संकटमोचन उसी विश्वास का सजीव प्रतिरूप है। जब गोस्वामी तुलसीदास ने अपने भीतर की बेचैनी को भक्ति में ढाला, तब इसी धरती ने उस क्षण को देखा, जब स्वयं हनुमान जी ने एक साधारण रूप में आकर अपने भक्त को मार्ग दिखाया। वह दृश्य केवल दर्शन नहीं था, वह आस्था का उद्घोष था, जिसमें मनुष्य और ईश्वर के बीच की दूरी समाप्त हो गई। संकटमोचन की चौखट पर आज भी वही अनुभूति जीवित है, जहां हर आने वाला व्यक्ति अपने भीतर के प्रश्नों के साथ आता है और उत्तर लेकर लौटता है। यहां प्रार्थनाएं शब्द नहीं बनतीं, वे अनुभूति बन जाती हैं; और आस्था केवल विश्वास नहीं रहती, वह साक्षात्कार बन जाती है

श्रद्धा का सागर : मंगलवार और शनिवार का दृश्य

हर मंगलवार और शनिवार को यहां श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ती है। कोई अपने जीवन की परेशानियों से मुक्ति की कामना लेकर आता है, कोई सफलता की प्रार्थना करता है, तो कोई केवल अपने आराध्य के दर्शन के लिए। हाथों में प्रसाद, आंखों में विश्वास, और होठों पर ह्यजय बजरंगबलीह्ल, यह दृश्य केवल धार्मिक नहीं, बल्कि भावनात्मक भी है। यहां चढ़ने वाला बेसन का लड्डू केवल प्रसाद नहीं, बल्कि श्रद्धा का प्रतीक है। सिन्दूर और तेल अर्पित कर भक्त अपने संकटों को हनुमान जी के चरणों में समर्पित करते हैं।

सांस्कृतिक चेतना का केंद्र

संकटमोचन मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि सांस्कृतिक धरोहर भी है। यहां आयोजित होने वाला संकटमोचन संगीत समारोह भारतीय शास्त्रीय संगीत का एक प्रतिष्ठित आयोजन है, जहां देश-विदेश के कलाकार अपनी प्रस्तुति देते हैं। सावन, रामनवमी और हनुमान जयंती के अवसर पर मंदिर परिसर एक जीवंत उत्सव में परिवर्तित हो जाता है, जहां भक्ति और संस्कृति एक साथ प्रवाहित होती हैं।

आस्था की परीक्षा : 2006 का हमला

7 मार्च 2006, यह वह दिन था जब आतंक ने काशी की शांति को भंग करने का प्रयास किया। संकटमोचन मंदिर में हुए विस्फोट ने क्षण भर के लिए भय का वातावरण बना दिया, परंतु आस्था की शक्ति इससे कहीं अधिक प्रबल निकली। अगले ही दिन हजारों श्रद्धालु मंदिर पहुंचे, यह साबित करने के लिए कि विश्वास को कोई भय पराजित नहीं कर सकता। यह घटना केवल एक त्रासदी नहीं, बल्कि आस्था की विजय का प्रतीक बन गई।

मालवीय जी का योगदान

मंदिर के जीर्णोद्धार में मदन मोहन मालवीय का महत्वपूर्ण योगदान रहा। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक के रूप में उन्होंने काशी की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को संरक्षित करने का कार्य किया। उनके प्रयासों से संकटमोचन मंदिर को आधुनिक स्वरूप मिला, परंतु इसकी मूल आत्मा आज भी वैसी ही है।

संकटमोचन : केवल नाम नहीं, अनुभव है

संकटमोचन, अर्थात संकटों को हरने वाला। यह नाम केवल एक विशेषण नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के अनुभव का सार है। यह वह स्थान है जहां भक्त केवल दर्शन नहीं करते, बल्कि अपने भीतर के भय, पीड़ा और आशा को ईश्वर के समक्ष समर्पित करते हैं। यहां आकर व्यक्ति केवल प्रार्थना नहीं करता, वह स्वयं को खोजता है, अपने विश्वास को पुनः स्थापित करता है।

जहां भक्ति ही सबसे बड़ा सत्य है

मंदिर परिसर में तुलसीदास ने लिखी रामचरितमानस

बात 1608 से 1611 के बीच उस वक्त की है जब महान कवि गोस्वमी तुलसीदास अपने ही उपासक भगवान श्रीराम की पटकथा लिख रहे थे। वह जगह आज भी तुलसी आश्रम व घाट के रुप में स्थापित है। मान्यता है कि गंगा घाट के पास आज भी मौजूद विशाल पीपल पेड़ के नीचे बैठकर ही तुलसीदास जी रामचरित मानस की चौपाईयां लिखा करते थे। चूकि भगवान हनुमान अवतार भगवान शिव का शक्तिशाली और रुद्र अवतार के रूप में जाना जाता है, इसलिए चौपाई लिखने से पहले तुलसीदास जी ने अपने ही हाथ से निर्मित बाल हनुमान मूर्ति की स्थापना की। जिसकी ऐतिहासिकता आज भी कायम है और ये मंदिर वर्तमान में लोगों की श्रद्धा का केन्द्र भी बना हुआ हैं। दक्षिणामुखी हनुमान जी की इस मूर्ति को काफी जागृत माना जाता है। इस मंदिर के उपरी तल पर राम-जानकी मंदिर है जिसकी स्थापना भी तुलसी दास जी ने ही की थी। इस मंदिर के पास ही एक कोने में तुलसीदास जी का चित्र लगाया गया है। यह वही स्थान है जहां तुलसीदास जी बैठकर चौपाईयां लिखा करते थे। रोजाना चौपाईयां लिखने से पहले तुलसीदास जी अपने आराध्य हनुमान जी की अपने ही स्थापित मूर्ति पूजन किया करते थे।

मौजूद है तुलसीदास की काव्य ग्रंथ : बिशम्भरनाथ मिश्र

चारों पहर होती है आरती

मंदिर में हनुमान जी की पूजा नियत समय पर प्रतिदिन आयोजित होती है। पट खुलने के साथ ही आरती सुबह साढ़े 5 बजे घण्ट-घडियाल नगाड़ों और हनुमान चालीसा के साथ होती है जबकि संध्या आरती रात नौ बजे सम्पन्न होती है। आरती की खास बात यह है कि सबसे पहले मंदिर में स्थापित नरसिंह भगवान की आरती होती है। मौसम के अनुसार आरती के समय में आमूलचूल परिवर्तन भी हो जाता है। दिन में 12 से 3 बजे तक मंदिर का कपाट बंद रहता है। आरती के दौरान पूरा मंदिर परिसर हनुमान चालीसा से गूंज उठता है। हनुमान जी के प्रति श्रद्धा से ओत-प्रोत भक्त जमकर जयकारे लगाते हैं।

'राष्ट्रवादी' में बड़ी हलचल, सुनेत्रा पवार संभालेंगी कंट्रोल, एनसीपी का नरेश अरोरा की कंपनी से कॉन्ट्रैक्ट रद्द

मुंबई। बारामती प्लेन क्रैश में अजित पवार को खोने के बाद कठिन दौर से गुजर रही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में जल्द ही बड़े बदलाव हो सकते हैं क्यों पार्टी अजित पवार की असमय मौत के बाद रूपाली चाकणकर के अशोक खरात केस में फंसने और फिर मंत्री नरहरि जिरवाल का किन्नर के साथ वीडियो वायरल होने के कारण कई चुनौतियों का सामना कर रही है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की अध्यक्ष बनी सुनेत्रा पवार को बारामती से उपचुनाव लड़कर विधानसभा पहुंचना है। इस सब के बीच दो बड़े अपडेट सामने आए हैं। इसमें पार्थ पवार के पार्टी में सक्रिय होने की बात शामिल है। दूसरा अपडेट यह है कि एनसीपी ने पार्टी के लिए रणनीति बना रहे डिजाइन बॉक्स का काम रोक दिया है, यानी नरेश अरोरा को एनसीपी से उनका रिश्ता टूट गया है, हालांकि इस संबंध में अभी आधिकारिक ऐलान बाकी है।

सूत्रों के हवाले से मीडिया में जो जानकारी सामने आई है। उसके अनुसार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को कंट्रोल करने को लेकर पूर्व डीसीएम अजीत पवार का परिवार पूरी तरह एक्टिव हो गया है। मंगलवार को अजीत पवार के बड़े बेटे पार्थ ने पार्टी प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे के साथ बंद दरवाजे के पीछे करीब 45 मिनट तक मंथन किया। मीडिया में ऐसी रिपोर्ट है कि पार्थ ने। तटकरे समेत अन्य सीनियर नेताओं से साफ तौर से कहा है कि पार्टी के सारे फैसले डीसीएम सुनेत्रा पवार से सलाह किए बिना नहीं लिए जाने चाहिए। गौरतलब हो कि हाल ही में सुनेत्रा पवार ने केंद्रीय चुनाव आयोग को भेजे पत्र में कहा था कि अजित पवार की मौत के बाद हुए किसी भी पत्राचार को नहीं माना जाए। यह भी संभावना व्यक्त की जा रही है कि आने वाले दिनों राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में कई बदलाव भी हो सकते हैं।

सूत्रों के अनुसार नासिक सेक्स स्कैंडल कांड में रुपाली चाकणकर के खिलाफ भी फैसले लेने में हुई देरी हुई। इस पर राज्यसभा के लिए हाल ही में चुने गए पार्थ पवार ने नाराजगी जताई है। ऐसी चर्चा है कि उन्होंने साफ कह दिया है कि कोई भी नेता पार्टी हित से ऊपर नहीं है। पार्टी के अहम फैसलों से पवार परिवार को दरकिनार किए जाने से भी पार्थ नाराज है। यही वजह है कि उन्होंने पार्टी को कंट्रोल में लेने का फैसला किया है। पार्थ ने मीडिया से कोई बात नहीं की, हालांकि पार्टी के लोकसभा में इकलौते सांसद सुनील तटकरे ने पार्थ से मीटिंग के बाद कहा कि हम सबकी इच्छा है कि दादा जिस तरह से पार्टी को आगे ले जाना चाहते थे, उनके सपनों को पूरा किया जाए। उसी को ध्यान में रखते हुए हम सभी ने सुनेत्रा पवार के मार्गदर्शन में आगे भी काम करने का फैसला किया है। यह भी संभावना व्यक्त की जा रही है कि पार्टी कार्यकारी अध्यक्ष के पद पर प्रफुल्ल पटेल की जगह किसी और की नियुक्ति करे।

मुंबई में 12 साल की बच्ची के पेट से निकला एक किलो बालों का गुच्छा, चार साल से बाल खाने की थी आदत

मुंबई। मुंबई के डॉक्टरों ने एक दुर्लभ और जटिल मामले में 12 वर्षीय बच्ची के पेट से 16714 सेंटीमीटर का बालों का बड़ा गुच्छा (ट्राइकोबेजोआर) निकालकर उसकी जान बचाई। यह गुच्छा पेट के करीब 90% हिस्से में फैला हुआ था और छोटी आंत तक पहुंच गया था। नारायणा हेल्थ चिल्ड्रेंस हॉस्पिटल से मिली जानकारी के अनुसार, 12 वर्षीय ऋतुजा (परिवर्तित नाम)पिछले डेढ़ महीने से लगातार उल्टी, पेट भरा-भरा लगना और भूख कम लगने की समस्या झेल रही थी। अस्पताल में जांच के दौरान डॉक्टरों को पेट के ऊपरी हिस्से में गांठ महसूस हुई। इसके बाद किए गए सीटी स्कैन और अपर गैस्ट्रोइंटेस्टिनल एंडोस्कोपी में पेट के भीतर बालों का बड़ा गुच्छा होने की पुष्टि हुई। डॉक्टरों ने पहले एंडोस्कोपी के जरिए इसे निकालने की कोशिश की, लेकिन आकार बड़ा और सख्त होने के कारण यह संभव नहीं हो सका। इसके बाद डॉक्टर ने ओपन सर्जरी का निर्णय लिया। तीन घंटे चले ऑपरेशन के बाद बच्ची के पेट से बालों का गुच्छा निकाला गया। बच्ची की हालत तेजी से सुधरी है।

अस्पताल के कंसल्टेंट गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी और हेपेटोलॉजी आदित्य कुलकर्णी ने बताया कि बाल पचता नहीं है। लबे समय तक निगलने पर ये पेट में जमा होकर ठोस गुच्छा बना लेते है। इस मामले में यह समस्या 3 से 4 साल से धीरे-धीरे विकसित हो रही थी। अस्पताल के वरिष्ठ पीडियाट्रिक सर्जन डॉ. रसिकलाल शाह ने बताया कि इतने बड़े ट्राइकोबेजोआर को एंडोस्कोपी से पूरी तरह निकालना मुश्किल है। ओपन सर्जरी के जरिए ही इसे सुरक्षित तरीके से हटाया जा सकता है। हमारी टीम ने एक ही सत्र में यह प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की। यदि कोई व्यक्ति लंबे समय तक बाल निगलता है, तो वे पेट में जमा होकर एक ठोस गुच्छा बना लेते है, जिसे ट्राइकोबेजोआर कहा जाता है। यह समस्या अक्सर ट्राइकोटिलोमेनिया (बाल तोड़ने की आदत) और ट्राइकोफेजिया (बाल खाने की आदत) से जुड़ी होती है, जो मानसिक तनाव या चिंता के कारण विकसित हो सकती है।

सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया 05 अप्रैल को स्टार-स्टडेड चेतक स्क्रीन अवॉर्ड्स 2026 का सीधा प्रसारण करेगा

मुंबई/पटना। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया एक बार फिर लाइव अवॉर्ड्स की कल्चर को स्क्रीन पर वापस ला रहा है, जब चेतक स्क्रीन अवॉर्ड्स 2026 का लाइव टेलीकास्ट 05 अप्रैल 2026 को रात 8:00 बजे (भारतीय मानक समय) सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर होगा। भारतीय सिनेमा और स्टोरीटेलिंग के सबसे भरोसेमंद सम्मान के तौर पर पहचाने जाने वाले स्क्रीन अवॉर्ड्स, फिल्ममेकिंग में उत्कृष्टता का जश्न मनाते हैं और उन क्रिएटिव टैलेंट्स को स्पॉटलाइट में लाते हैं जो इंडस्ट्री को आगे बढ़ा रहे हैं। इस साल का एडिशन बेहद स्टार-स्टडेड होगा, जिसमें होस्ट्स की पावरहाउस लाइन-अप शामिल है आलिया भट्ट, फराह खान, सुनील ग्रोवर और जाकिर खान। यह मंच सिनेमा, म्यूज़िक, कॉमेडी और पॉप कल्चर की दुनिया को एक साथ लाएगा। पहली बार इस प्रॉपर्टी को एक साथ लीनियर टेलीविजन और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाइव अनुभव किया जाएगा। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर टेलीकास्ट के साथ-साथ स्क्रीन अवॉर्ड्स का लाइव प्रसारण यूट्यूब चैनल पर भी होगा, जिससे यह और बड़े डिजिटल-नेटिव ऑडियंस तक पहुंचेगा।

पुलिस प्रशासन के खिलाफ चेंबूर में सकल हिन्दू समाज बजरंग दल ने निकाला मोर्चा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्री रामनवमी के दिन घाटकोपर और कुर्ला के अलावा चेंबूर में भी एक भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया।

किंतु दुर्भाग्य से श्री रामनवमी और शुक्रवार का नमाज एक साथ पड़ गया।इस कारण से शोभा यात्रा को काफी देर तक पुलिस-प्रशासन ने रोक लिया।पुलिस के रवैए से नाराज हिन्दू संगठन सकल हिन्दू समाज बजरंग दल और विश्व हिन्दू परिषद,राष्ट्र सेवा मंच के सैकड़ों नेता और कार्यकताओं ने चेंबूर पुलिस स्टेशन पर एक मोर्चा निकाला ।पुलिस प्रदर्शनकारियों को शिवाजी नगर और आर सी एफ पुलिस स्टेशन में ले गई।

प्रदर्शन में प्रमुख रूप से चेंबूर एम पश्चिम प्रभाग समिति की अध्यक्ष आशा सुभाष मराठे ,पूर्व नगर सेवक राजेश फुलवारिया, पूर्व नगर सेविका राजश्री पालांडे , अनुप पाल,सुशील शहानी, कुशल जैन,सुभाष मराठे, गौतम सावरिया,बबलू सिंह, सतीश बेलमकर, रामप्रसाद सैनी, सतीश दुबे, नित्याग जन नाडार, धनराज बी गोटवाल,परेश शाह, परमेश्वर केसरी,संदीप गुप्ता,राजन माली,मुकेश मौर्या,संदीप प्रजापति, कुलदीप जयसवाल के अलावा सैकडों हिन्दू संगठन के लोग आर सी एफ पुलिस स्टेशन में अपर पुलिस आयुक्त महेश पाटिल को निलम्बित करने की मांग कर रहे थे।

भिवंडी मनपा की कर वसूली में प्रभाग समिति-3 ने जबरदस्त वसूली कर पहले क्रमांक पर

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा ने वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के दौरान कर वसूली में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए कुल 104 करोड़ रुपये की वसूली की है। यह आंकड़ा पिछले कई वर्षों के रिकॉर्ड को तोड़ने वाला साबित हुआ है। इस उपलब्धि में प्रभाग समिति-3 ने सबसे बेहतर प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया है। बतादें कि सहायक आयुक्त सुरेन्द्र भोईर के नेतृत्व में कर विभाग ने 24 करोड़ 50 लाख 71 हजार रुपये की वसूली कर पांचों प्रभाग समितियों में शीर्ष स्थान कायम किया। वसूली के मामले में दूसरे स्थान पर प्रभाग समिति-1, तीसरे स्थान पर प्रभाग समिति-2, चौथे स्थान पर प्रभाग समिति-4 रही, जबकि सबसे कम वसूली के साथ प्रभाग समिति-5 पांचवें स्थान पर रही। मनपा आयुक्त अनमोल सागर के सख्त निर्देशों और ह्यअभय योजनाह्न के प्रभावी क्रियान्वयन के चलते इस वर्ष कर वसूली में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। अधिकारियों का मानना है कि सख्त प्रशासनिक रुख और जनसहभागिता के कारण यह रिकॉर्ड संभव हो सका है।

घाटकोपर में एक ही दिन दो स्थानों पर आग की घटनाएं

मुंबई (उत्तरशक्ति)। घाटकोपर इलाके में आज एक ही दिन में आग लगने की दो अलग-अलग घटनाएं सामने आने से कुछ समय के लिए नागरिकों में भय का माहौल पैदा हो गया। हालांकि, दमकल विभाग की तत्परता के कारण दोनों ही जगहों पर आग पर समय रहते काबू पा लिया गया और बड़ा हादसा टल गया। बता दें कि पहली घटना विद्याविहार पश्चिम स्थित स्कायलाइन एपिटोम इमारत में हुई।, जहां दोपहर के समय इलेक्ट्रिक मीटर केबिन में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। इस आग के चलते आसपास के इलाके में काफी धुआं फैल गया था। सूचना मिलते ही दमकल विभाग के जवान तुरंत मौके पर पहुंचे और कुछ ही मिनटों में आग पर काबू पा लिया। सौभाग्य से इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। इस दौरान स्थानीय नगरसेवक धर्मेश गिरी ने तत्परता बरतते हुए महानगरपालिका और दमकल विभाग से संपर्क कर घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उनके प्रयासों से राहत एवं बचाव कार्य तेजी से पूरा किया गया। वहीं, दूसरी घटना घाटकोपर पूर्व के गरोडिया नगर इलाके में हुई, जहां पार्किंग में खड़ी लगभग 8 ऑटो रिक्शाओं में आग लग गई। इस आग में रिक्शाओं को भारी नुकसान हुआ है।

रुबल अग्रवाल ने कोकण विभागीय आयुक्त पद पर ग्रहण किया कार्यभार प्रमुख आयुक्त सिद्धराम सालीमठ से लिया पदभार

◆ रुबल अग्रवाल ने कोकण विभागीय आयुक्त पद पर ग्रहण किया कार्यभार

◆ प्रमुख आयुक्त सिद्धराम सालीमठ से लिया पदभार

मुंबई(उत्तरशक्ति)। प्रशासनिक क्षेत्र में अपनी दमदार कार्यशैली के लिए पहचानी जाने वाली वरिष्ठ आईएएस अधिकारी रुबल अग्रवाल ने सोमवार 30 मार्च 2026 को कोकण विभागीय आयुक्त पद का कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने प्रभारी विभागीय आयुक्त सिद्धराम सालीमठ से औपचारिक रूप से पदभार लिया।

ज्ञात हो कि 2008 बैच की आईएएस अधिकारी रुबल अग्रवाल ने अपने करियर में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए अपनी कर्तव्यनिष्ठा का प्रमाण दिया है। उन्होंने अपनी सेवा की शुरूआत सोलापुर में सहायक जिलाधिकारी के रूप में की थी। इसके बाद उन्होंने अहमदनगर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और अहमदनगर व जलगाव जिलों में जिलाधिकारी के रूप में कार्य किया। रुबल अग्रवाल शिर्डी के श्री साईबाबा संस्थान ट्रस्ट की पहली महिला मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी थीं।उनके कार्यकाल में साईबाबा समाधी शताब्दी महोत्सव का आयोजन अत्यंत भव्य और व्यवस्थित तरीके से किया गया था। पुणे नगर निगम में अतिरिक्त महापालिका आयुक्त के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने कोविड-19 की भयंकर महामारी का प्रभावी ढंग से प्रबंधन किया। उनके इस कार्य की सराहना राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर की गई थी। इसके अलावा, उन्होंने

एकीकृत बाल विकास सेवा योजना (आई.सी.डी.एस.) के आयुक्त के रूप में राज्य के 1 लाख 10 हजार आंगनवाड़ी केंद्रों का प्रबंधन कुशलतापूर्वक किया। कोकण विभागीय आयुक्त बनने से पहले रुबल अग्रवाल महा मुंबई मेट्रो ऑपरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड की प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत थीं। उनकी उत्कृष्ट प्रशासनिक सेवाओं के लिए उन्हें अब तक कई महत्वपूर्ण पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें उत्कृष्ट जिलाधिकारी पुरस्कार (महाराष्ट्र शासन, 2016-17), महात्मा गांधी शांति पुरस्कार (जलगाव में कानून-व्यवस्था बनाये रखने के लिए), अरुण बोंगीरवार सार्वजनिक सेवा उत्कृष्टता पुरस्कार (पुणे में कोविड नियंत्रण के लिए), स्मार्ट सिटी डिजिटल पेमेंट और ई-गवर्नेंस पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार शामिल हैं। कोकण विभाग भौगोलिक व प्रशासनिक दृष्टि से अत्यधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण माना जाता है। इस विभाग के राजस्व प्रशासन, बुनियादी ढांचे के प्रोजेक्ट्स और आपदा प्रबंधन क्षेत्रों में रुबल अग्रवाल के अनुभव का लाभ लिया जायेगा। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने विभाग के कार्यों का आकलन कर जनसामान्य के मुद्दों को प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया।

अमेया पार्क बोईसर में विराट हिंदू सम्मेलन का हुआ आयोजन

हिंदू समाज को एकता, संस्कृति और धर्म के संरक्षण का दिया गया संदेश

पालघर (उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत अमेया पार्क स्थित शिवगोविंद नगर ग्राउंड में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में हिंदू समाज के लोगों की भारी भीड़ एकत्रित हुई। इस कार्यक्रम में सभी वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता उमेश गायकवाड ने समाज की एकता, संस्कृति और धर्म के संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हमें अपने इतिहास एवं परंपराओं को संरक्षित रखते हुए समाज की भलाई के लिए मिलकर कार्य करना चाहिए। वहीं मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रूपचंद जैन (अध्यक्ष, बोईसर जैन समाज) ने समाज में भाईचारे और समरसता बनाये रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज की ताकत उसकी एकता में है, और हम सभी को एकजुट होकर धर्म और संस्कृति की रक्षा करनी चाहिए। सम्मेलन के दौरान बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र बना। नन्हे कलाकारों ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी उपस्थित जनों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी लोगों ने समाज में भेदभाव को समाप्त करने तथा धर्म व संस्कृति की रक्षा के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

स्कूल ट्रस्टी के बेटे ने शिक्षिका को भेजे अश्लील मैसेज और वीडियो

जय भारत स्कूल का मामला

डोंबिवली। डोंबिवली में एक स्कूल से बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई थी जहां, स्कूल ट्रस्टी के बेटे ने एक शिक्षिका को अश्लील मैसेज भेजकर शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव डाला। इस मामले में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकताओं ने स्कूल पहुंचकर जमकर हंगामा किया था और आरोपी को उनके हवाले करने की मांग की। घटना की जानकारी मिलते ही मानपाडा पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रस्टी के बेटे सरवना अय्यर को हिरासत में ले लिया। हालांकि इतने संवेदनशील विषय में पुलिस ने महज नोटिस देकर आरोपी को छोड़ दिया। इस घटना के बाद जय भारत स्कूल की चर्चा शहर में जोरों पर चल रही है । क्या इस स्कूल में बच्चियां सुरक्षित हैं।

डोंबिवली के सागांव इलाके में स्थित जय भारत हाईस्कूल में यह मामला सामने आया। स्कूल के ट्रस्टी शिवा अय्यर के बेटे सरवना अय्यर पर एक शिक्षिका ने गंभीर आरोप लगाया। शिक्षिका का आरोप है कि सरवना ने उसे अश्लील मैसेज भेजकर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डाला। शिक्षिका का आरोप है कि आरोपी स्कूल की अन्य छात्राओं को भी अश्लील मैसेज भेजा करता था। इस घटना के बाद शिक्षिका ने मनसे से शिकायत की। शिकायत मिलते ही मनसे के पदाधिकारी राहुल कामत, अरुण जांभले और महिला पदाधिकारी कोमल पाटिल ने स्कूल पहुंचकर जमकर हंगामा किया। उस समय स्कूल में ट्रस्टी शिवा अय्यर और उनकी पत्नी मौजूद थे। मनसे कार्यकताओं ने आरोपी को सामने लाने की मांग की और चेतावनी दी कि यदि उसे नहीं सौंपा गया तो वे मनसे स्टाइल में कार्रवाई करेंगे। करीब एक घंटे तक स्कूल में हंगामा चलता रहा। स्थिति बिगड़ती देख मानपाडा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संदीपान शिंदे खुद मौके पर पहुंचे। उन्होंने मनसे कार्यकताओं को स्कूल से बाहर निकाला और ट्रस्टी शिवा अय्यर से पूछताछ की। इसके बाद पुलिस उन्हें उनके घर ले गई, जहां से सरवना अय्यर को हिरासत में लिया गया। उसे पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां शिक्षिका और मनसे कार्यकर्ता भी पहुंचे। हालांकि पुलिस ने आरोपी को महज नोटिस जारी कर मामले को रफादफा कर दिया। ऐसा आरोप किया जा रहा है।

ईरान-इजराइल युद्ध का असर भिवंडी के पावरलूम उद्योग पर धागे की कीमतों में 25% तक उछाल

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच बढ़ते युद्ध तनाव का असर अब स्थानीय उद्योगों पर भी साफ दिखाई देने लगा है। महाराष्ट्र के ह्लमैनचेस्टरह्व के रूप में पहचाने जाने वाले भिवंडी के पावरलूम (यंत्रमाग) उद्योग पर इस वैश्विक संकट की सीधी मार पड़ रही है। ईंधन और गैस की कमी के चलते उत्पादन लागत बढ़ गई है, जिससे उद्योग गंभीर संकट में फंस गया है। पावरलूम उद्योग में इस्तेमाल होने वाला सिंथेटिक, पॉलिस्टर और नायलॉन धागा मुख्य रूप से पेट्रोलियम आधारित कच्चे माल से तैयार होता है। युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव हो रहा है, जिससे धागे के दामों में पिछले एक महीने में करीब 20 से 25 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। इससे कपड़ा उत्पादकों की लागत बढ़ गई है, लेकिन बाजार में मांग कमजोर होने के कारण वे कीमतें नहीं बढ़ा पा रहे हैं, जिससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। धागा बनाने वाली इकाइयों को महंगा कच्चा माल खरीदना पड़ रहा है, वहीं माल की ढुलाई में देरी और परिवहन लागत में अचानक वृद्धि ने समस्या को और गंभीर बना दिया है।

भिवंडी में बड़े पैमाने पर जॉबवर्क के जरिए कपड़ा उत्पादन किया जाता है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में पहले से तय कीमतों पर ऑर्डर पूरा करना घाटे का सौदा साबित हो रहा है। इस कारण कई व्यापारी नए ऑर्डर लेने से बच रहे हैं या उन्हें स्थगित कर रहे हैं।

धागे की कीमतों में अस्थिरता के चलते व्यापारी स्टॉक भी नहीं कर पा रहे हैं, जिससे उत्पादन पर सीधा असर पड़ा है। इसका प्रभाव केवल भिवंडी ही नहीं, बल्कि मालेगांव और इचलकरंजी जैसे अन्य पावरलूम केंद्रों पर भी देखने को मिल रहा है। इधर, कामगारों की समस्या भी बढ़ती जा रही है। भिवंडी में बड़ी संख्या में उत्तर भारत से आए प्रवासी मजदूर काम करते हैं। हर साल अप्रैल-मई में शादी के मौसम के चलते कई मजदूर अपने गांव लौट जाते हैं, लेकिन इस बार युद्ध के कारण बढ़ती महंगाई और ईंधन संकट से हालात और बिगड़ गए हैं। कई खानावली (मेस) बंद हो चुकी हैं और होटल का महंगा भोजन मजदूरों की पहुंच से बाहर हो गया है। ऐसे में कोरोना काल जैसी स्थिति बनने की आशंका से मजदूर तेजी से गांव लौट रहे हैं। कामगारों की कमी, कच्चे माल की महंगाई और बाजार में मांग की कमी—इन तीनों कारणों से भिवंडी का पावरलूम उद्योग एक बार फिर संकट में आ गया है। उद्योग से जुड़े व्यापारी और मजदूर दोनों ही हताश नजर आ रहे हैं और अपने व्यवसाय को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा श्री हनुमान जन्मोत्सव पर भव्य शोभा यात्रा का आयोजन आज

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर इस वर्ष भी विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा पालघर जिले के बोईसर शहर में भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा गुरुवार 2 अप्रैल 2026 को शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों से गुजरते हुए शहरवासियों को एक दिव्य धार्मिक व सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करेगी।शोभा यात्रा का आगाज टीम ग्राउंड से होगा तथा यह अवध नगर, मधुर नाका, ठाकुर कांप्लेक्स, यशवंत सृष्टि, नवापुर नाका, बोईसर स्टेशन जैसे प्रमुख स्थलों से होती हुई सर्कस ग्राउंड में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ के साथ संपन्न होगी, जहाँ इस्कॉन के माध्यम से सभी के लिए राम खिचड़ी का प्रबंध किया जायेगा। यात्रा की शुरूआत से पहले 251 परिवार पुनः हिंदू धर्म ध्वज थाम कर घर वापसी करेंगे।

यात्रा में कई आकर्षक झांकियाँ और विशेष प्रस्तुतियाँ शामिल होंगी। इनमें प्रमुख रूप से माँ काली की भव्य मूर्ति, श्री हनुमान जी की विशाल मूर्ति, काशी का प्रसिद्ध रुद्र तांडव प्रदर्शन और छोटे बच्चों द्वारा भगवान के रूप में सजने की झांकियाँ शामिल होंगी। यात्रा के दौरान ढोल-ताशा पथक की धुनें पूरे वातावरण में उत्सव का माहौल बनायें रखेंगी।

इसके अलावा, इस्कॉन की भव्य रथ यात्रा, भगवान अयप्पा स्वामी की झांकी एवं छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता को दशार्ती झांकी भी प्रमुख आकर्षण होंगी। महाराष्ट्र के पारंपरिक ः्तारापा नृत्यः् एवं दुर्गा वाहिनी का लेजिम पथक भी इस यात्रा को और अधिक आकर्षक बनायेगा। यात्रा का समापन समरसता यज्ञ से होगा, जो सभी धर्मों और समाजों के बीच एकता व भाईचारे का संदेश देगा। विश्व हिंदू परिषद उत्तर मुंबई विभाग मंत्री चंदन सिंह ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से अपील की है कि वे इस ऐतिहासिक शोभा यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में पधारकर इसे सफल बनाएं और धर्म लाभ प्राप्त करें।

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941** email ID- uttarshaktinews@gmail.com

डालिम्स सनबीम स्कूल में ग्रेजुएशन डे सम्पन्न, मेधावियों का हुआ सम्मान

डॉ.इम्तियाज अहमद की रिपोर्ट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। हमाम दरवाजा स्थित डालिम्स सनबीम स्कूल में भव्य ग्रेजुएशन डे समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं की शैक्षणिक उपलब्धियों और प्रतिभा का सम्मान करते हुए मेधावियों को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अब्दुल कादिर खान ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सनबीम वाराणसी की चेयरपर्सन पूजा मधोक मौजूद रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रशासन द्वारा अतिथियों का पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत के साथ हुआ।

इस अवसर पर कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए, जिससे विद्यार्थियों में उत्साह और आत्मविश्वास का संचार हुआ।

मुख्य अतिथि गिरीश चंद्र यादव ने अपने संबोधन में युवाओं को नशे से दूर रहने और खेलकूद को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि नशा जीवन और भविष्य दोनों के लिए हानिकारक है, जबकि खेलकूद शारीरिक व मानसिक विकास के साथ अनुशासन और आत्मविश्वास को मजबूत बनाते हैं।

विशिष्ट अतिथि पूजा मधोक ने शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और सकारात्मक सोच के महत्व पर बल देते हुए विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी। वहीं अध्यक्ष डॉ. अब्दुल कादिर खान ने परिश्रम, लगन और सदाचार को सफलता की कुंजी बताते हुए छात्रों का मार्गदर्शन किया।

कार्यक्रम के अंत में प्रिंसिपल डॉ. अलका गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। समारोह का संचालन फातिमा ने किया। इस अवसर पर डायरेक्टर जारिया जैनब, सीबीएसई कोऑर्डिनेटर पंकज, सुबोध डे, मोहम्मद उजैर, जितेंद्र यादव, सुभाष यादव, आर.पी. सिंह, डॉ. विमला सिंह, डॉ. अम्बर खान, अहमद अब्बास खान सहित विद्यालय परिवार के सदस्य मौजूद रहे। समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

बिजली कर्मचारियों का काला फीता बांधकर विरोध, 22 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन

सुशील कुमार तिवारी

ओबरा,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश बिजली कर्मचारी संघ के

बैनर तले 1 अप्रैल को प्रदेशव्यापी विरोध प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन को सौंपे गए 22 सूत्रीय मांगों के समर्थन में आयोजित किया गया, जिसके तहत पहले चरण में कर्मचारियों ने काला फीता बांधकर कार्य किया।

संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेशभर के लाखों कर्मचारियों ने भाग लिया। इस दौरान कर्मचारियों ने अपनी बाहों पर काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण ढंग से कार्य करते हुए विभाग का ध्यान अपनी समस्याओं की ओर आकर्षित किया।

कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में संविदा कर्मियों को नवगठित आउटसोर्सिंग निगम में समायोजित कर उनकी समस्याओं का समाधान, वेतन पुनरीक्षण के तहत न्यूनतम 28,000 रुपये वेतन सुनिश्चित करना, सभी निगमों में कार्यरत कर्मचारियों की वेतन विसंगतियों को दूर करना तथा पदोन्नति और समयबद्ध वेतनमान लागू करना शामिल है।

इसके अलावा, संविदा कर्मियों की ड्यूटी के दौरान मृत्यु होने पर 20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, लिपिकीय वर्ग की सेवा नियमावली 2020 में संशोधन, परीक्षा व स्थानांतरण प्रक्रिया में पारदर्शिता तथा जनवरी 2000 के बाद नियुक्त कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ दिए जाने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई गई। कर्मचारी नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

गुमशुदा बालिका का अब तक नहीं लगा सुराग, परिजनों ने लगाई न्याय की गुहार

सुजानगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के बेर्रा ग्राम सभा से एक नाबालिग बालिका के गुमशुदा होने का मामला सामने आया है, जिसमें कई महीनों बाद भी पुलिस को कोई ठोस सफलता नहीं मिल सकी है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि उनकी बच्ची को बहला-फुसलाकर भगा ले जाया गया, लेकिन बार-बार शिकायत के बावजूद पुलिस द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम बेर्रा निवासी अमृतलाल कनौजिया पुत्र मोतीलाल कनौजिया ने बताया कि दिनांक 25 अक्टूबर 2025 को दोपहर लगभग 1 बजे गांव के ही सिकंदर निषाद, उसकी पत्नी तथा उनके पुत्र उमेश उनकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए। पीड़ित का आरोप है कि आरोपित पक्ष द्वारा फोन पर लगातार गाली-गलौज और धमकी भी दी जा रही है।

परिजनों का कहना है कि घटना के तुरंत बाद स्थानीय थाना पुलिस को सूचना दी गई थी, लेकिन अब तक न तो बच्ची का कोई सुराग मिल सका है और न ही आरोपितों के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई की गई है। इस मामले को लेकर परिवार में गहरा आक्रोश और चिंता व्याप्त है।

पीड़ित अमृतलाल कनौजिया ने बताया कि न्याय की आस में उन्होंने उच्च अधिकारियों से भी गुहार लगाई है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए शीघ्र कार्रवाई कर उनकी बच्ची को सकुशल बरामद कराया जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। इस संबंध में क्षेत्रीय पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

चलती बाइक में अचानक लगी आग, पूरी तरह जलकर राख

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के जफराबाद थाना क्षेत्र स्थित नाथूपुर स्कूल के पास एक चलती हुई हीरो लीवो बाइक में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाइक सवार रास्ते में जा रहा था कि अचानक बाइक बंद हो गई। चालक जब प्लग खोलने की कोशिश कर रहा था, तभी अचानक बाइक में आग लग गई और कुछ ही पलों में आग ने भीषण रूप ले लिया। मौके पर मौजूद लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन पानी की उचित व्यवस्था न होने के कारण आग पर काबू नहीं पाया जा सका। देखते ही देखते बाइक पूरी तरह जलकर राख हो गई। गनीमत रही कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। हालांकि इस घटना से क्षेत्र में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

केराकत पुलिस की सराहनीय पहल, गलत ट्रांजेक्शन के 4200 रुपये लौटाए

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।जनपद में 'मित्र पुलिस' की अवधारणा को साकार करते हुए केराकत पुलिस ने एक सराहनीय कार्य किया है। थाना प्रभारी अरविंद कुमार पांडेय की तत्परता से एक युवक को ऑनलाइन लेनदेन में हुई गलती से ट्रांसफर हुए रु.4,200 वापस दिलाए गए।

जानकारी के अनुसार, बदलापुर क्षेत्र निवासी हर्षवर्धन सिंह द्वारा अपने नाना के बैंक खाते से ऑनलाइन लेनदेन के दौरान मानवीय त्रुटि के चलते रु.4,200 की राशि गलती से किसी अन्य व्यक्ति के खाते में चली गई थी। मामले की जानकारी होने पर पीड़ित ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद प्रकरण केराकत थाने को भेजा गया।

मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी अरविंद कुमार पांडेय ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित खाताधारक से संपर्क किया। पुलिस की समझाइश के बाद जिस महिला के खाते में पैसा गया था, उसने ईमानदारी दिखाते हुए राशि वापस करने पर सहमति जता दी। बुधवार को थाना परिसर में थाना प्रभारी की मौजूदगी में पीड़ित युवक को 4,200 नगद वापस कर दिए गए। अपनी मेहनत की कमाई वापस पाकर युवक ने खुशी जाहिर करते हुए केराकत पुलिस का आभार व्यक्त किया।

थाना प्रभारी ने इस मौके पर कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने लोगों से ऑनलाइन लेनदेन करते समय सावधानी बरतने और किसी भी प्रकार की साइबर ठगी या त्रुटि की स्थिति में तत्काल पुलिस या साइबर सेल से संपर्क करने की अपील की। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में की गई, जिससे आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है।

स्कूल चलो अभियान का शुभारंभः बीएसए ने घर-घर जाकर कराया नामांकन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में स्कूल चलो अभियान के तहत प्राथमिक विद्यालय सदरूद्दीनपुर, विकासखंड बक्सा में नामांकन अभियान

उत्साह और जनभागीदारी के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल स्वयं गांव पहुंचे और घर-घर जाकर बच्चों का नामांकन कर अभिभावकों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया। अभियान के दौरान कुल 25 बच्चों का नामांकन किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं अध्यापकों ने नव नामांकित बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत किया। साथ ही बच्चों को किताबें, कॉपी और पेंसिल वितरित कर शिक्षा के प्रति प्रेरित किया गया। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी, ग्राम प्रधान, विंध्यवासिनी उपाध्याय, समस्त अध्यापक, गांव के सम्मानित नागरिक एवं अभिभावक उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर अभियान को सफल बनाने में सहयोग दिया और अधिक से अधिक बच्चों को विद्यालय से जोड़ने का संकल्प लिया। अभियान के माध्यम से शिक्षा के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

मॉर्डन कान्वेंट स्कूल, खेतासराय के प्रबंधक डॉ.मो.आबिद खान को उनके जन्मदिन के अवसर पर उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक परिवार की तरफ से जन्मदिन हार्दिक शुभकामनाएं

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक परिवार की तरफ से

मॉर्डन कान्वेंट स्कूल, खेतासराय के प्रबंधक डॉ.मो. आबिद खान को उनके जन्मदिन के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर विद्यालय परिवार एवं शुभचिंतकों ने उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं निरंतर प्रगति की कामना की। उप संपादक डॉ.इम्तियाज अहमद ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ.आबिद खान एक प्रतिभाशाली, कर्मठ एवं दूरदर्शी व्यक्तित्व के धनी हैं। उनके नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में लगातार उत्कृष्ट कार्य हो रहे हैं और आने वाले समय में वे नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने ईश्वर से उनके दीघार्यु, सुख-समृद्धि एवं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता के लिए प्रार्थना की।

उपनिरीक्षक की मौत से विभाग मर्माहत

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली शाहगंज में तैनात उपनिरीक्षक विनय कुमार सिंह की आकस्मिक मौत से पुलिस विभाग सहित पूरे नगर में शोक की लहर फैल गई है। जानकारी के अनुसार, विनय कुमार सिंह मूल रूप से जनपद बलिया के रेवती थाना क्षेत्र के नरायनगढ़ गांव के निवासी थे। वर्तमान में उनका परिवार जनपद मऊ में जिलाधिकारी आवास के समीप रहता है। वे एक दिसंबर 2023 से शाहगंज कोतवाली में उपनिरीक्षक के पद पर तैनात थे।

बताया जाता है कि सोमवार को अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्होंने एक दिन का अवकाश लेकर मऊ स्थित अपने आवास पर इलाज के लिए गए थे, जहां उपचार के दौरान मंगलवार को उनका निधन हो गया। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं पुलिस विभाग और क्षेत्रीय लोगों में गहरा शोक व्याप्त हो गया। विनय कुमार सिंह वर्ष 1988 बैच के उपनिरीक्षक थे और उनकी सेवा निवृत्ति में अभी लगभग दो वर्ष शेष थे। उनके असामयिक निधन से विभाग को अपूरणीय क्षति हुई है।

मड़ियाहूं के वरिष्ठ लोकतंत्र सेनानी शालिग्राम मिश्र का निधन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं तहसील क्षेत्र के वरिष्ठ लोकतंत्र सेनानी शालिग्राम मिश्र का मंगलवार को निधन हो गया। उनके निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शालिग्राम मिश्र (पुत्र स्व. श्याम नारायण मिश्र) ग्राम चौधरी, पोस्ट बाजार, थाना मड़ियाहू के निवासी थे। 31 मार्च 2026 को प्रातः लगभग 6:30 बजे हृदय गति रुकने से उनका निधन हो गया। बताया जाता है कि वह पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे और उनका उपचार जारी था। मंगलवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्होंने अंतिम सांस ली। लोकतंत्र सेनानी के रूप में शालिग्राम मिश्र का सामाजिक और सार्वजनिक जीवन में महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके निधन को क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों, जनप्रतिनिधियों व लोकतंत्र सेनानियों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

दवा प्रतिनिधियों ने काला दिवस मनाकर श्रम संहिताओं का किया विरोध

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अखिल भारतीय संगठन एफएमआरएआई के आवाहन पर बुधवार, 01 अप्रैल को यूपीएमएसआरए जौनपुर इकाई के सदस्यों सहित देशभर के दवा प्रतिनिधियों ने चार श्रम संहिताओं के विरोध में ह्लकाला दिवसह्व मनाया। इस दौरान प्रतिनिधियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रधानमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी जौनपुर के माध्यम से भेजा।

ज्ञापन में दवा प्रतिनिधियों ने चार श्रम संहिताओं को निरस्त करने और बिक्री संवर्धन कर्मचारी (सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1976 को यथावत लागू रखने की मांग प्रमुख रूप से उठाई। इसके साथ ही निश्चित अवधि रोजगार पर रोक, छंटनी और स्थानांतरण पर नियंत्रण, समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित करने सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों को शामिल किया गया।

प्रतिनिधियों ने यह भी मांग की कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से निगरानी और गोपनीयता के उल्लंघन को रोका जाए तथा बढ़ती

महंगाई को देखते हुए दैनिक एवं यात्रा भत्तों में वृद्धि की जाए। साथ ही श्रम कानूनों का उल्लंघन करने वाले नियोक्ताओं पर कड़ी कार्रवाई, न्यूनतम वेतन 26,910 रुपये प्रति माह निर्धारित करने और 8 घंटे का कार्यदिवस सुनिश्चित करने की भी मांग की गई।

इसके अतिरिक्त अस्पतालों में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के कार्य पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाने और उनके कार्य को आपराधिक श्रेणी में न रखने की मांग भी उठाई गई। ट्रेड यूनियनों और श्रमिकों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा पर भी जोर दिया गया। ज्ञापन सौंपने में अनिल मिश्रा, अजय चौरसिया, राजेश रावत, अच्युत दुबे, अमित रंजन श्रीवास्तव, सुनील प्रजापति, अभिषेक सिंह, शैलेंद्र मौर्य और राघवेंद्र सोलंकी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट वाराणसी मोहित अग्रवाल द्वारा पुलिस उपायुक्त अपराध/गोमती जोन आकाश पटेल को दी गई भावभीनी विदाई

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट वाराणसी मोहित अग्रवाल द्वारा कैम्प कार्यालय में पुलिस उपायुक्त अपराध/गोमती जोन आकाश पटेल के स्थानांतरण के अवसर पर एक गरिमामय एवं भावपूर्ण विदाई समारोह आयोजित किया गया। पुलिस आयुक्त महोदय द्वारा आकाश पटेल को उनके उत्कृष्ट सेवाकाल, अनुशासित कार्यशैली तथा अपराध नियंत्रण में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित करते हुए भावभीनी विदाई दी गई। पुलिस आयुक्त महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि आकाश पटेल

ने कमिश्नरेट वाराणसी में अपने सेवाकाल के दौरान कर्तव्यनिष्ठा, उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता एवं जनसेवा के प्रति समर्पण का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है, उनकी सेवाएं सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेंगी। इस अवसर पर उन्हें स्मृति चिह्न एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। विदाई समारोह में अपर पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था एवं मुख्यालय शिवहरी मीणा, पुलिस उपायुक्त काशी जोन गौरव बंशवाल, पुलिस उपायुक्त वरूणा जोन प्रमोद कुमार सहित कमिश्नरेट के अन्य राजपत्रित अधिकारीगण उपस्थित रहे ।

जौनपुर में आयुष्मान योजना को मिली रफ्तार, 70प्लस आयु वर्ग के 76 हजार से अधिक कार्ड बने

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने जानकारी दी कि जनपद में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य तेजी से प्रगति पर है। अब तक 70 वर्ष से अधिक आयु के 76,417 लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं, जिससे जौनपुर को राज्य स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है।

उन्होंने बताया कि जनपद में कुल मिलाकर अब तक 13,68,270 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। वहीं विशेष अभियान के तहत 91,954 कार्ड बनाकर जौनपुर ने प्रदेश में तीसरा स्थान हासिल किया है।

जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार आयुष्मान कार्ड बनाए जाने हेतु विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है, जिसकी दैनिक समीक्षा मुख्य विकास अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा की जा रही है, जिससे कार्य में निरंतर सुधार सुनिश्चित हो रहा है।

ब्लॉक स्तर पर धमार्पुर, जलालपुर एवं मुफ्तीगंज में सर्वाधिक आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं, जो अभियान की सफलता को दशार्ता है। इसके साथ ही जनपद में अब तक 1,45,899 लाभार्थियों का आयुष्मान योजना के तहत उपचार किया जा चुका है, जिस पर कुल 260.48 करोड़ रुपये व्यय हुए हैं। जिलाधिकारी ने आमजन से अपील की है कि पात्र व्यक्ति आयुष्मान कार्ड अवश्य बनवाएं और इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

पहले ही प्रयास में पल्लवी सिंह बनीं नायब तहसीलदार, पीसीएस में 172वीं रैंक

निशानाथ, खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के खुदौली गांव की बेटी पल्लवी सिंह ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (पीसीएस) 2024 परीक्षा में सफलता हासिल कर नायब तहसीलदार पद प्राप्त किया है। उन्होंने 172वीं रैंक हासिल कर परिवार के साथ-साथ पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। खास बात यह है कि पल्लवी ने यह सफलता अपने पहले ही प्रयास में प्राप्त की है। पल्लवी सिंह की प्रारंभिक शिक्षा आजमगढ़ स्थित सर्वोदय पब्लिक स्कूल से हुई, जहां से उन्होंने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से स्नातक (बीए) की डिग्री हासिल की। स्नातक के बाद उन्होंने लखनऊ में रहकर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी शुरू की और ऑनलाइन माध्यम से अध्ययन करते हुए कड़ी मेहनत व अनुशासन के बल पर यह मुकाम हासिल किया। पल्लवी की माता सीमा सिंह गृहिणी हैं। पल्लवी ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपनी बुआ कुमुद लता सिंह को दिया, जिनके मार्गदर्शन और प्रेरणा से उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। मीडिया से बातचीत में पल्लवी ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि सिविल सेवा जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए नियमित अध्ययन, सही रणनीति और धैर्य बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और पूरी लगन व अनुशासन के साथ तैयारी की जाए, तो सफलता निश्चित है। पल्लवी की इस उपलब्धि पर क्षेत्र में खुशी की लहर है। सर्वेश यादव, सुधांशु सिंह, शैलेंद्र सिंह, अभिषेक परमार, विशाल यादव, अंकित, अमन, आदर्श राज और पलक सहित अन्य लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है।

कंपोजिट विद्यालय आदर्श केराकत में नव आरंभ कार्यक्रम आयोजित

केराकत ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के वार्ड शेखजादा द्वितीय स्थित कंपोजिट विद्यालय आदर्श में बुधवार को शैक्षिक सत्र 2026-27 के शुभारंभ पर नव आरंभ कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवागत छात्र-छात्राओं का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि सभासद मनोज कुमार यादव ने विद्यालय में पहली बार प्रवेश लेने वाले बच्चों को माला पहनाकर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान बच्चों को विद्यालय की ओर से कॉपी, पेंसिल, रबर, कटर एवं ज्ञान भारती पुस्तक सहित शैक्षिक किट प्रदान की गई, जिससे उनके चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम में सत्र 2025-26 की वार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रगति पत्र (रिपोर्ट कार्ड) वितरित किए गए। अगली कक्षा में प्रोन्नति की खुशी बच्चों और अभिभावकों के चेहरे पर साफ झलक रही थी। विद्यालय के प्रधानाध्यापक मोहियुद्दीन अंसारी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए अभिभावकों को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षक और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी अभिभावकों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए विद्यालय की प्रगति में सहयोग की अपील की। कार्यक्रम के अंत में बच्चों के लिए विशेष भोज का आयोजन किया गया, जिसमें भोजन के साथ स्वादिष्ट खीर भी परोसी गई। वहीं उपस्थित अभिभावकों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ, अभिभावक एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्थापना दिवस को लेकर भाजपा जिला कार्यालय पर कार्यशाला आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस की तैयारियों को लेकर मंगलवार को जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति की अध्यक्षता में एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय महामंत्री एवं जिला प्रभारी अशोक चौरसिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत संगठन गीत के साथ हुई, जिसके बाद पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण कर कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि अशोक चौरसिया ने कहा कि सदस्यता के दृष्टिकोण से भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। उन्होंने बताया कि 6 अप्रैल को स्थापना दिवस के अवसर पर सभी बूथों और मंडलों में भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ कार्यकताओं के साथ-साथ केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं से लाभान्वित लोगों को भी सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कार्यशाला को संगठन को मजबूत बनाने का माध्यम बताते हुए कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद, सेवा और समर्पण की विचारधारा है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे इस विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करें। जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कार्यकताओं से बूथ स्तर तक सक्रिय रहकर पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस को ऐतिहासिक और भव्य बनाने के लिए सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर कार्य करें और अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। कार्यक्रम का संचालन पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं संयोजक अजय सिंह ने किया। इस अवसर पर एमएलसी ब्रजेश सिंह प्रिंसू, पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष सुशील उपाध्याय, अमित श्रीवास्तव, पीयूष गुप्ता, सुधाकर उपाध्याय, गीता बिंद, संतोष सिंह, राकेश वर्मा, सुनील यादव, राजू दादा, राज पटेल, आमोद सिंह, नरेंद्र उपाध्याय, रागिनी सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह को मिला माटी सम्मान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह को पूर्वांचल क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित माटी सम्मान' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा 31 मार्च 2026 को नई दिल्ली स्थित गांधी दर्शन परिसर, राजघाट में आयोजित पूर्वांचल महोत्सव माटी-9 कार्यक्रम के दौरान प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन माटी संस्था एवं गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा किया गया।

नई दिल्ली से लौटने के बाद बुधवार को विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में आयोजित स्वागत समारोह में अधिकारियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने प्रो. वंदना सिंह को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि यह सम्मान उन्हें निरंतर समर्पित भाव से कार्य करने की प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जीवन में निष्काम भाव से अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। कुलसचिव केशलाल ने कहा कि यह सम्मान कुलपति के उत्कृष्ट नेतृत्व, दूरदर्शिता और शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार का प्रतीक है। परीक्षा नियंत्रक विनोद कुमार सिंह ने इसे विश्वविद्यालय परिवार के लिए प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि यह उपलब्धि सभी के लिए नई ऊर्जा का संचार करेगी। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने आभार व्यक्त किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन प्रो. मनोज मिश्रा ने किया। इस अवसर पर प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. संदीप सिंह, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. गिरधर मिश्रा, प्रो. विनोद कुमार, प्रो. राम नारायण, डॉ. अमरेंद्र सिंह, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. नीतेश जायसवाल, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. मंगला यादव, डॉ. अनुराग मिश्र, उप कुलसचिव अजीत कुमार सिंह एवं बबीता सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ध्रुव योग में पवनपुत्र जयंती : आज बिगड़ी तकदीर भी मानेगी हार, बनेंगे हर रुके काम

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। सुबह अभिजीत मुहूर्त, हस्त नक्षत्र और दिव्य संयोग का असर है। आज संकटमोचन के आशीर्वाद से खुलेंगे सफलता के द्वार. 2 अप्रैल की यह जयंती सिर्फ पूजा नहीं, भाग्य बदलने का संकेत लेकर आई है। जो रुका है, वह चलेगा... जो थमा है, वह आज आगे बढ़ेगा। आज किस्मत लिखेगी नया इतिहास, बनेंगे हर बिगड़े काम. आज खुलेंगे बंद किस्मत के दरवाजे, बिगड़ी तकदीर भी लेगी करवट. संकटमोचन के आशीर्वाद से बदलेगा हर हाल।

इस वर्ष की हनुमान जयंती केवल एक धार्मिक उत्सव भर नहीं, बल्कि ज्योतिषीय दृष्टि से अत्यंत दुर्लभ और प्रभावशाली संयोगों का संगम बनकर सामने आई है। इस पावन तिथि पर जहां एक ओर पूजा के लिए दो-दो शुभ मुहूर्त प्राप्त हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर ध्रुव योग, हस्त नक्षत्र और अभिजीत मुहूर्त का त्रिवेणी संयोग इस दिन को असाधारण बना रहा है। ज्योतिष शास्त्र में ध्रुव योग को स्थिरता, सफलता और दीर्घकालिक उपलब्धियों का प्रतीक माना जाता है। यह योग सूर्योदय से लेकर दोपहर 2 बजकर 20 मिनट तक प्रभावी रहेगा, जो संकेत देता है कि इस दिन किए गए कार्य स्थायी फल देने वाले हो सकते हैं। वहीं हस्त नक्षत्र, जो कौशल, कर्म और सृजन का नक्षत्र है, शाम तक प्रभावी रहकर यह संदेश देता है कि प्रयास और प्रतिभा का मेल सफलता का द्वार खोल सकता है। सबसे विशेष है अभिजीत मुहूर्त, दोपहर 12 से 12:50 तक का वह कालखंड, जिसे हर प्रकार के शुभ कार्यों के लिए सर्वोत्तम माना जाता है। इसके साथ सुबह और शाम के अलग-अलग मुहूर्त भक्तों को अधिक अवसर प्रदान कर रहे हैं। ऐसे दुर्लभ संयोगों के कारण यह हनुमान जयंती केवल पूजा का नहीं, बल्कि संकल्प, नई शुरूआत और जीवन में स्थिर सफलता की दिशा तय करने का भी विशेष दिन बन गई है। इस वर्ष हनुमान जयंती पर पूजा के लिए तीन प्रमुख समय मिल रहे हैं : सुबह का शुभ मुहूर्त : 6:10 से 7:44 तक, अभिजीत मुहूर्त : 12:00 से 12:50 तक, शाम का मुहूर्त : 6:39 से 8:06 तक. ज्योतिष के अनुसार अभिजीत मुहूर्त सबसे शक्तिशाली माना जाता है, क्योंकि यह वह समय होता है जब सूर्य अपनी सर्वोच्च ऊर्जा पर होता है। साथ ही इस दिन : ध्रुव योग (स्थिरता और सफलता का प्रतीक), हस्त नक्षत्र (कौशल और कर्म का नक्षत्र), का संयोग यह संकेत देता है कि यह दिन केवल पूजा का नहीं, बल्कि जीवन में ठोस निर्णय लेने का भी है। मनोजवं मारुत तुल्यवेगं... यह श्लोक केवल स्तुति नहीं, बल्कि एक आदर्श व्यक्तित्व का खाका है, मन की गति जैसा तेज, इंद्रियों पर नियंत्रण, बुद्धि में श्रेष्ठता और सेवा में समर्पण. आज की भाषा में कहें तो यह फोकस, सेल्फ-कंट्रोल और परफॉर्मेंस का मंत्र है।

केराकत में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

जितेन्द्र कन्नौजिया

केराकत ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील क्षेत्र के ब्रह्मानपुर झुमका गांव में मंगलवार शाम एक 18 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना नहर के पास एक आम के पेड़ पर शाम करीब 7 से 8 बजे के बीच की बताई जा रही है। मृतक की पहचान आदित्य राजभर (पुत्र अनिल राजभर) के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

विकास कार्यों का श्रेय लेने पर विधायक पंकज पटेल का पलटवार

अरशद अली

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगरा बादशाहपुर के विधायक पंकज पटेल ने सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधियों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि वे उनके द्वारा कराए गए विकास कार्यों का श्रेय लेने का प्रयास कर रहे हैं।

विधायक ने बताया कि मछलीशहर से बरईपार तक 11 किलोमीटर तथा बरईपार से सुजानगंज (दहेव) तक 13 किलोमीटर सड़क निर्माण उनके प्रयासों से स्वीकृत हुआ है। इन दोनों परियोजनाओं पर लगभग 27 करोड़ रुपये की लागत आएगी। उन्होंने कहा कि इन सड़कों की स्वीकृति के लिए उन्होंने स्वयं मुख्यमंत्री और प्रमुख सचिव से मुलाकात कर लगातार प्रयास किए। यह परियोजनाएं उनकी प्राथमिकता में शामिल थीं और लंबे समय से वे इसके लिए प्रयासरत थे। पंकज पटेल ने आरोप लगाया कि अब जब सड़क निर्माण को मंजूरी मिल चुकी है, तो कुछ सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधि इसे अपना कार्य बताकर सस्ती लोकप्रियता हासिल करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता सच्चाई से भली-भांति परिचित है और जानती है कि यह कार्य उनके प्रयासों का परिणाम है। अंत में विधायक ने मुंगरा बादशाहपुर की जनता को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे क्षेत्र के विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेंगे और हर सुख-दुख में जनता के साथ खड़े रहेंगे।

शाहगंज में नवजात में मिला फीटस इन फीटू, डॉक्टर भी हैरान

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के शाहगंज क्षेत्र में एक बेहद दुर्लभ चिकित्सीय मामला सामने आया है, जिसने स्थानीय चिकित्सा जगत को आश्चर्य में डाल दिया है। शाहगंज स्थित सर सैय्यद हॉस्पिटल में एक दिन के नवजात शिशु में फीटस इन फीटू (Fetus in Fetu) नामक अत्यंत विरल जन्मजात अवस्था पाई गई है। जानकारी के अनुसार, जन्म के बाद नवजात की स्थिति सामान्य न लगने पर बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. महफूज अहमद ने विस्तृत जांच की सलाह दी। इसके बाद कराई गई अल्ट्रासाउंड जांच में रेडियोलॉजिस्ट डॉ. फारूक अरशद ने इस दुर्लभ स्थिति की पुष्टि की।

चिकित्सकों के अनुसार, फीटस इन फीट एक ऐसी अवस्था होती है जिसमें एक अधूरा विकसित भ्रूण, दूसरे भ्रूण के शरीर के भीतर मौजूद होता है। यह स्थिति अत्यंत दुर्लभ मानी जाती है और लगभग 5 लाख जन्मों में एक ही मामला सामने आता है। विश्व स्तर पर भी अब तक ऐसे 200 से कम मामलों की पुष्टि हुई है।

डॉ. फारूक अरशद ने बताया कि इस प्रकार के मामलों की पहचान करना काफी चुनौतीपूर्ण होता है और इसके लिए उच्च स्तरीय चिकित्सा विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। फिलहाल नवजात का इलाज विशेषज्ञों की निगरानी में जारी है और आगे की उपचार प्रक्रिया के लिए परामर्श लिया जा रहा है।

दुर्लभ जन्मजात स्थिति, लाखों में एक मामला; विशेषज्ञों की निगरानी में इलाज जारी

यह मामला न केवल चिकित्सा विज्ञान के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि शाहगंज जैसे क्षेत्र में उपलब्ध आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं और विशेषज्ञता को भी दशार्ता है। स्थानीय स्तर पर इसे एक बड़ी चिकित्सा उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

संदिग्ध का पीछा करते समय ट्रेन की चपेट में आए जीआरपी जवान, हालत गंभीर

डॉ. आबिद खान

गोंडा,लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां ड्यूटी के दौरान संदिग्ध का पीछा कर रहे जीआरपी के आरक्षी आकाश सिंह गंभीर हादसे का शिकार हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, रात करीब 12:15 बजे पूछताछ के दौरान एक आरोपी अचानक भागने लगा। उसे पकड़ने के लिए आरक्षी आकाश सिंह ने तुरंत उसका पीछा किया। इसी दौरान प्लेटफॉर्म पर आ रही चंडीगढ़ एक्सप्रेस की चपेट में आने से उनके दोनों पैर कट गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गंभीर रूप से घायल आरक्षी को तत्काल उपचार के लिए लखनऊ मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है और विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में इलाज चल रहा है। वहीं, भागने वाला आरोपी भी इस दौरान घायल हो गया, जिसे उपचार के बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

घटना की जानकारी मिलते ही प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (DGP) राजीव कृष्ण ने आरक्षी के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए 1 लाख रुपये की तत्काल आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। साथ ही उन्होंने बेहतर से बेहतर उपचार सुनिश्चित कराने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए हैं।यह घटना ड्यूटी के प्रति पुलिसकर्मियों की तत्परता और समर्पण को दशार्ती है, वहीं सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी कई सवाल खड़े करती है।

ऑटो और चार पहिया वाहन में आमने-सामने जोरदार टक्कर, तीन घायल

प्रियेश गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।जनपद के मछलीशहर थाना क्षेत्र में कमला हॉस्पिटल के पास मड़ियाहूँ रोड पर गुरुवार को ऑटो और चार पहिया वाहन के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। इस सड़क हादसे में तीन लोग घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, बबूराबहर गांव निवासी समर बहादुर गौतम (40 वर्ष) पुत्र अनूप कुमार गौतम, उनकी पत्नी शीला गौतम (48 वर्ष) तथा बहू अंजलि (26 वर्ष) पत्नी सुनील कुमार घायल हो गए। बताया जा रहा है कि परिवार अपने तीन वर्षीय बच्चे के साथ घर से मछलीशहर दवा दिलाने जा रहा था। इसी दौरान जैसे ही उनका ऑटो कमला हॉस्पिटल के पास मड़ियाहूँ रोड पर पहुंचा, सामने से आ रही एक तेज रफ्तार चार पहिया वाहन से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि आसपास के लोग मौके पर दौड़ पड़े और घायलों को बाहर निकालकर मदद की। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और चार पहिया वाहन सहित उसके चालक को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने तत्काल घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

पुलिस ने चालक को हिरासत में लिया, घायलों का जिला अस्पताल में इलाज जारी

गोल्हानामऊ निवासी पंडित सत्यनारायण दुबे "छबिनाथ" नहीं रहें

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पंडित समाजसेवी नागपुर वाले सत्यनारायण दुबे (छबिनाथ दुबे) का 29 मार्च 2026 दिन सोमवार को नागपुर में सुबह 4 बजे निधन हो गया। उनका पार्थिव शरीर एम्बूलैंस द्वारा उनके पैतृक गांव जनपद जौनपुर विकास खण्ड सुजानगंज, गांव गोल्हानामऊ (बेलवार) लाया गया । गांव पहुंचते ही गांव में कोलाहल मच गया। बता दें उन्होंने अपने पैतृक गांव में चारों धाम नामक मंदिर का निर्माण किया था जो आज क्षेत्र में विख्यात है , उनका यह सपना साकार हुआ था। जिनका अंतिम संस्कार दिनांक 30 मार्च 2026 दिन मंगलवार को प्रयागराज के गंगा घाट झूंसी पर किया गया। सत्यनारायण दुबे छबिनाथ एक सरल,सहज,मृदुभाषी एवं धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे।समाज के लिए भी उन्होंने अनेक उल्लेखनीय कार्य किए। समाजिक कार्य में वे सदैव अग्रणी भूमिका निभाते थे । उनके निधन पर कई गणमान्य लोगों ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लोगों ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि ईश्वर परिवार वालों को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। परमात्मा निज आत्मा को सांची शांति आप दें। उन्होंने ने अपने पिछे पुत्र अनील दुबे, मनोज कुमार दुबे सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए है। उनका शोक सभा प्रति दिन गोल्हनामऊ निजी आवास पर रखी गई है। दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, विजय चंद मिश्रा, रुद्रप्रसाद दुबे, रमाकांत दुबे, उमाशंकर मिश्र, रमापति मिश्रा, सभापति मिश्रा, राम-लखन मिश्रा, प्रींश मिश्रा, आसू मिश्रा , पिंटू मिश्रा , पत्रकार अवधेश मिश्रा रिक्की, उर्मिला मिश्रा, ऊषा दूबे, आशा दुबे सहित कई लोगों ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि ईश्वर आत्मा को शांति प्रदान करें , और परिवार वालों को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

हनुमान जन्मोत्सव पर आचार्य डॉ. राधेश्याम शर्मा के भजन की प्रस्तुति से भक्तिमय हुआ वातावरण

पटना(उत्तरशक्ति)। हिंदू सेवा ट्रस्ट बिहार द्वारा कंकड़बाग टेंपो स्टैंड चौराहा के पास आयोजित दो दिवसीय हनुमान जन्मोत्सव के पहले दिन आचार्य डॉ. राधेश्याम शर्मा के भजनों की प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। एक से बढ़कर एक भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूमते नजर आए। कार्यक्रम के दौरान एक हजार से अधिक भक्तों ने सामूहिक रूप से सुन्दरकाण्ड का पाठ किया जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिरस में सराबोर हो उठा। आयोजन स्थल पर भक्तों की भारी उपस्थिति रही और जय श्रीराम तथा बजरंगबली के जयकारों से माहौल गूंजता रहा। हनुमान जन्मोत्सव के इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का उद्घाटन पटना की मेयर सीता साहू के द्वारा किया गया।

लक्ष्य से कई गुना आगे जौनपुर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना में प्रदेश में बना नंबर-1

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल कर नई मिसाल कायम की है। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने बताया कि गत वित्तीय वर्ष में जहां जनपद को 2700 का लक्ष्य मिला था, वहीं युवाओं के उत्साह और भरोसे ने इस लक्ष्य को कई गुना पीछे छोड़ दिया। योजना के तहत जनपद में कुल 9786 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 8406 आवेदन बैंकों को भेजे गए। इनमें 4026 आवेदन ऋण स्वीकृति के लिए मंजूर किए गए, जबकि 4092 युवाओं को ऋण वितरित भी किया जा चुका है। शेष आवेदनों पर प्रक्रिया जारी है।

जिलाधिकारी ने इस सफलता का श्रेय युवाओं की मेहनत और मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन को देते हुए कहा कि मजबूत संकल्प के साथ कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। यह उपलब्धि पूरे जनपद के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने ऋण प्राप्त कर चुके युवाओं से अपील की कि वे अपने रोजगार को आगे बढ़ाने के साथ अन्य युवाओं का मार्गदर्शन करें और उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित करें, ताकि जौनपुर आत्मनिर्भरता की दिशा में और आगे बढ़ सके। इस सफलता के पीछे उपायुक्त उद्योग, सहायक आयुक्त उद्योग जय प्रकाश, एलडीएम अभय श्रीवास्तव, प्रबंधक गौरव समेत बैंक अधिकारियों और जनपदवासियों के सामूहिक प्रयास और समर्पण की अहम भूमिका रही है।

किआ इंडिया ने मार्च में 29,112 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की

मुंबई। देश की प्रमुख मास-प्रीमियम कार कंपनियों में से एक, किआ इंडिया ने मार्च 2026 में 29,112 यूनिट्स की बिक्री के साथ अपना अब तक का सबसे बेहतरीन मासिक प्रदर्शन किया। यह मार्च 2025 (25,525 यूनिट्स) के मुकाबले 14.5% की मजबूत सालाना बढ़त है। कंपनी ने साल 2026 की पहली तिमाही में भी 84,316 यूनिट्स की बिक्री के साथ अपना सबसे शानदार प्रदर्शन किया, जो गत वर्ष 2025 की समान अवधि (75,576 यूनिट्स) के मुकाबले 11.6% अधिक है।

किआ इंडिया के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (सेल्स एंड मार्केटिंग), अतुल सूद ने कहा, हमने मार्च में अपनी अब तक की सबसे बड़ी बिक्री और पहली तिमाही में सबसे मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है, जो हमारे पूरे पोर्टफोलियो की लगातार बढ़ती मांग का नतीजा है। नई सेल्टोस, अपनी 5-स्टार बीएनसीएपी रेटिंग के साथ इस रफ़्तार को आगे बढ़ा रही है। वहीं सोनेट और कैरेन्स रेंज लगातार मजबूत वॉल्यूम दे रही हैं और ग्राहकों की बदलती जरूरतों के हिसाब से इनमें लगातार सुधार किए जा रहे हैं। यह उपलब्धि किआ इंडिया की लगातार बढ़ती विकास यात्रा को दर्शाती है, जिसे उसके संतुलित प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का पूरा समर्थन मिल रहा है। किआ इंडिया का यह प्रदर्शन उसके पूरे पोर्टफोलियो की मजबूत मांग पर टिका है। नई सेल्टोस लॉन्च के बाद से हर महीने लगातार 10,000 यूनिट्स से अधिक की बिक्री के साथ कंपनी की ग्रोथ को लीड कर रही है। इसका बोल्ड डिजाइन, एडवांस एडीएएस फीचर्स और भारत की अब तक की सबसे अधिक स्कोर करने वाली आईसीई कार के रूप में 5-स्टार बीएनसीएपी रेटिंग, प्रीमियम फैमिली एसयूवी सेगमेंट में इसकी पकड़ को और मजबूत बनाती है। सोनेट कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में एक प्रमुख खिलाड़ी बनी हुई है, जो अब 10 लाख रुपये से कम कीमत में पेट्रोल और डीजल दोनों वेरिएंट्स में 'ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन' का विकल्प देकर ग्राहकों के लिए इसे और सुलभ बनाती है। पिछले कुछ सालों में किआ इंडिया एक नई कंपनी से बढ़कर ग्राहकों के लिए एक भरोसेमंद 'मोबिलिटी पार्टनर' के रूप में उभरी है। एडवांस सेफ्टी, प्रीमियम फीचर्स और बेहतरीन ओनरशिप अनुभव पर कंपनी के फोकस ने ग्राहकों का भरोसा जीतने में बड़ी भूमिका निभाई है।

गुड़गांव में इंटरनेशनल साइबर फ्रॉड का भंडाफोड़, फिलीपींस से संचालित था गैंग, नेपाल के रास्ते भारत

गुड़गांव। साइबर क्राइम थाना वेस्ट की टीम ने फिलीपींस/कंबोडिया से संचालित साइबर फ्रॉड गिरोह का पदार्फाश किया है। इस मामले में पांच अलग-अलग शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पांच केस दर्ज कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक आरोपी को पुलिस ने गत 22 मार्च को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस जांच में सामने आया है कि चीन-नेपाल- बिहार के रूट के माध्यम से अवैध उपकरणों की सप्लाई की जा रही है। पुलिस ने सभी मामलों में 15 सिम बॉक्स, सात वाईफाई टापो कैमरा विद हुमन डिटेक्शन, सात वाई-फाई राउटर्स, सात इनवर्टर, 42 बैटरी, 29 टापो वाई-फाई स्विचस, 28 इथरनेट वायर, 504 सिम कार्ड, एक रेलवे टिकट, चाइना कार्टून बॉक्स बरामद किए हैं। साइबर क्राइम थाना वेस्ट व साउथ पुलिस को दी अलग-अलग शिकायतों में मकान मालिकों ने बताया कि उनके किरायेदारों द्वारा उनके मकानों में अवैध रूप से सिम बॉक्स (जीएसएम गेटवे) का संचालन किया जा रहा है। जिसका उपयोग अनधिकृत दूरसंचार गतिविधियों व साइबर अपराध को अंजाम देने में किया जा सकता है। इन शिकायतों पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए साइबर क्राइम वेस्ट, गुरुग्राम में चार केस दर्ज किए जबकि साइबर क्राइम थाना साउथ में एक केस दर्ज किया गया। डीसीपी ईस्ट गौरव राजपुरोहित ने बताया कि एसीपी साइबर क्राइम प्रियांशु दीवान की अगुवाई में एसआईटी ने की छापेमारी की गई। जिसमें शिकायतकताओं को साथ लेकर यू-ब्लॉक, गुरुग्राम, चकरपुर में अलग-अलग कमरों/स्थानों से अवैध रूप से संचालित 13 सिम बॉक्स, सात वाईफाई टीएपीओ कैमरा विद हुमन डिटेक्शन, सात वाई-फाई राउटर्स, सात इनवर्टर, 42 बैटरी, 29 टापो वाई-फाई स्विचस, 28 इथरनेट वायर, 504 सिम कार्ड, एक रेलवे टिकट, चाइना कार्टून बॉक्स बरामद किए गए। इस मामले में पुलिस ने अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जिनकी पहचान यूपी के कासगंज निवासी राहुल कुमार, गुजरात के अहमदाबाद निवासी यश अमृत सिंह डुगर, कच्छ के भाविका रमेश भगचंदानी, महाराष्ट्र के जलगांव निवासी लितेश और सागर के रूप में हुई। पुलिस ने राहुल कुमार को कासगंज, सागर व भाविका को गुरुग्राम, यश को अहमदाबाद से व लितेश को जलगांव से काबू किया गया।

पूछताछ में आरोपी राहुल ने खुलासा किया कि इसके एक अन्य साथी के माध्यम से इसका संपर्क फिलीपींस में बैठे व्यक्ति से हुआ था। उसी के माध्यम से इसके पास सिम बॉक्स, राउटर व अन्य सामान आया था। आरोपी ने यह भी बताया कि उसने वीडियो कॉल के माध्यम से फिलीपींस में बैठे व्यक्ति की सहायता से सिम बॉक्स को सेटअप किया और इन उपकरणों को यू-ब्लॉक, डीएलएफ फेज-3, गुरुग्राम सहित अन्य स्थानों तक पहुंचाया था, जिसके बदले उसे पैसे मिले थे। आरोपी सागर के नाम से रूम रेंट व इंटरनेट कनेक्शन था। आरोपी भाविका कंबोडिया में बैठे उनके अन्य साथी से संपर्क में रहती थी और आरोपी यश के माध्यम से यूएसडीटी को रुपए में जबकि रुपए को यूएसडीटी में कन्वर्ट करवाती थी।

पालघर में 200 बेड का रेडिएशन इमरजेंसी हॉस्पिटल स्थापित करने की मांग झ डॉ. हेमंत सावरा

पालघर। तारापुर स्थित देश के पहले न्यूक्लियर पावर प्लांट की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए, पालघर के खासदार डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने लोकसभा में एक महत्वपूर्ण मांग उठाई है। उन्होंने रूल 377 के तहत केंद्रीय गृह मंत्री और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री का ध्यान इस गंभीर विषय की ओर आकर्षित किया। डॉ. सावरा ने अपने वक्तव्य में कहा कि पालघर जिले के तारापुर में स्थित न्यूक्लियर पावर प्लांट देश की एक अत्यंत संवेदनशील और रणनीतिक स्थापना है। ऐसी स्थिति में किसी भी संभावित रेडिएशन या न्यूक्लियर इमरजेंसी से प्रभावी तरीके से निपटने के लिए आसपास के क्षेत्र में आधुनिक, उन्नत और विशेषीकृत चिकित्सा सुविधाओं का उपलब्ध होना अनिवार्य है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि फरवरी 2026 में नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी द्वारा आयोजित रेडिएशन तैयारी बैठक में न्यूक्लियर परियोजनाओं के आसपास इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया था। वर्तमान में, किसी भी रेडिएशन इमरजेंसी की स्थिति में मरीजों को इलाज के लिए मुंबई के विशेष चिकित्सा संस्थानों में ले जाना पड़ता है, जिससे समय की गंभीर बर्बादी होती है। इमरजेंसी के समय यह देरी मरीजों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। इस समस्या के समाधान हेतु, डॉ. सावरा ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि पालघर जिले में प्राथमिकता के आधार पर लगभग 200 बेड का एक अत्याधुनिक रेडिएशन इमरजेंसी हॉस्पिटल स्थापित किया जाए। इसके लिए आवश्यक प्रशासनिक स्वीकृति और वित्तीय प्रावधान जल्द से जल्द सुनिश्चित किए जाएं। यह पहल न केवल संभावित आपदाओं के प्रभावी प्रबंधन में सहायक होगी, बल्कि क्षेत्र के नागरिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुरक्षा को भी सुदृढ़ करेगी।

अश्लील विज्ञापनों से गरमाया शाहगंज, स्पा सेंटरों पर जांच की मांग

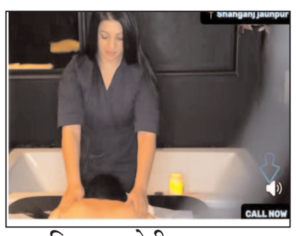

-विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर क्षेत्र में इन दिनों कुछ स्पा सेंटरों की गतिविधियां चर्चा का विषय बनी हुई हैं। आकर्षक और लुभावने विज्ञापनों के सहारे ग्राहकों को आकर्षित करने वाले ये सेंटर अब सवालों के घेरे में आ गए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इन विज्ञापनों में अश्लीलता परोसी जा रही है, जिससे सामाजिक माहौल प्रभावित हो रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर स्पा सेंटरों के ऐसे विज्ञापन देखे जा सकते हैं, जिनमें स्पेशल सर्विस, फुल रिलैक्सेशन, VIP ट्रीटमेंट जैसे शब्दों के साथ आपत्तिजनक तस्वीरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इन विज्ञापनों की भाषा और प्रस्तुति सीधे तौर पर लोगों को लुभाने और आकर्षित करने के उद्देश्य से तैयार की गई प्रतीत होती है। नागरिकों का कहना है कि इस तरह के विज्ञापन न केवल युवाओं पर गलत प्रभाव डाल रहे हैं, बल्कि क्षेत्र की छवि को भी धूमिल कर रहे हैं। कई अभिभावकों ने चिंता जताई है कि खुलेआम इस तरह की सामग्री का प्रसार समाज के नैतिक मूल्यों पर सवाल खड़े करता है। लोगों के बीच यह चर्चा भी जोरों पर है कि कुछ स्पा सेंटर केवल नाम के लिए हैं, जबकि अंदर गतिविधियां संदिग्ध हो सकती हैं। हालांकि इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन लगातार उठ रहे सवाल जांच की मांग जरूर करते हैं।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस पूरे मामले पर संबंधित विभागों की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई या प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। प्रशासन की यह चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है—क्या जिम्मेदार अधिकारी अनजान हैं या जानबूझकर अनदेखी कर रहे हैं? स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे विज्ञापनों और संदिग्ध स्पा सेंटरों की गहन जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि शहर का वातावरण स्वच्छ और सुरक्षित बना रहे। इस सम्बंध में पूछे जाने पर प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह ने कहा की मामला अभी संज्ञान में नहीं था। अगर ऐसा है तो सभी स्पा सेंटरों की जांच कर आवश्यक कार्यवाई की जायेगी। -तेज बहादुर सिंह प्रभारी निरीक्षक-शाहगंज।

आरएनआईटी एआई ने 26.3 करोड़ का फंड जुटाया

मुंबई। आरएनआईटी एआई सॉल्यूशंस लिमिटेड ने लगभग 26.3 करोड़ रुपये के शेयरों का प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट पूरा कर लिया है। आरएनआईटी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन सॉल्यूशंस के क्षेत्र में काम करने वाली एक लिस्टेड कंपनी है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी), जयपुर बेंच द्वारा 23 सितंबर, 2024 के आदेश के माध्यम से अनुमोदित रिजॉल्यूशन प्लान के अनुसार और इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड, 2016 के प्रावधानों, सेबी विनियमनों, कंपनी अधिनियम 2013 और स्टॉक एक्सचेंज की आवश्यकताओं के अनुरूप यह अलॉटमेंट किया गया है।

बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 28 मार्च, 2026 को हुई मीटिंग में पब्लिक (नॉन-प्रमोटर) कैटेगरी के तहत स्ट्रेटजिक इन्वेस्टर्स को 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले 52,66,537 इक्विटी शेयर्स के अलॉटमेंट को मंजूरी दी। ये शेयर्स 50 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर दिए गए, जिसमें 40 रुपये प्रति शेयर का प्रीमियम भी शामिल था।

इस इश्यू में अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड्स (एआईएफ), स्ट्रेटजिक इन्वेस्टर्स और हाई नेट-वर्थ इंडिविजुअल्स (एचएनआई) की तरफ से जबरदस्त भागीदारी देखने को मिली। यह आरएनआईटी की रणनीतिक दिशा, काम करने की क्षमताओं और भविष्य में विकास की संभावनाओं पर निवेशकों के मजबूत भरोसे को दिखाता है।

इस प्रेफरेंशियल इश्यू के माध्यम से जुटाई गई पूंजी कंपनी को सरकारी और एंटरप्राइज सेक्टर में एआई-आधारित सॉल्यूशंस के विस्तार में मदद करेगी। साथ ही इसकी प्रोप्रिएटरी टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म और एसएएएस ऑफरिंग्स को मजबूत करेगी। इससे बड़े पैमाने पर ज्यादा प्रभावी प्रोजेक्ट्स को पूरा करने की कंपनी की क्षमता बढ़ेगी। इस पूंजी का इस्तेमाल कारोबार के विस्तार, डिजिटल और एआई क्षमताओं को मजबूत करने और वर्किंग कैपिटल व सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों को पूरा करने के लिए भी किया जाएगा।

आरएनआईटी एआई सॉल्यूशंस लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर राजा श्रीनिवास नंदिगम ने कहा, इस प्रेफरेंशियल इश्यू का पूरा होना आरएनआईटी की रणनीतिक दिशा और काम करने की क्षमता को दिखाता है। सरकारी और एंटरप्राइज, दोनों ही इकोसिस्टम में एआई-बेस्ड सॉल्यूशंस की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में यह पूंजी निवेश हमें अपने ऑपरेशन्स का विस्तार करने और अपनी तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाने में सक्षम बनाएगा। हम सभी स्टेकहोल्डर्स के लिए सतत विकास और लॉन्ग टर्म वैल्यू पर फोकस कर रहे हैं। आरएनआईटी एआई सॉल्यूशंस लिमिटेड तेजी से बढ़ती हुई टेक्नोलॉजी कंपनी है, जो आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं डिजिटल गवर्नेंस सॉल्यूशंस देने तथा सरकारी, एंटरप्राइज और सोशल सेक्टर में ट्रांसफॉर्मेशन डिलीवर करने पर फोकस करती है।

नवघर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, लाखों का गुटखा पान मसाला किया जप्त

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। भायंदर में महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्रतिबंधित सुगंधित पान मसाला और सुगंधित तंबाकू सहित 9,13,285 रु मूल्य का सामान जब्त किया गया। दिनांक 31/03/2026 को धीरज कोली, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, नवघर पुलिस स्टेशन, में एक गुप्त सूचनादाता के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि नवघर पुलिस स्टेशन, ठाणे के अंतर्गत इंद्रलोक फेज-06 ड्रैगन चाइनीज के सामने सड़क पर एक संदिग्ध वाहन संख्या एम.एच. 02, ई.आर. 7094 खड़ा है और उसमें प्रतिबंधित खाद्य पदार्थ हैं। पौपानिरी संदीप वास्कोटी को उक्त सूचना की पुष्टि करने और कार्रवाई करने का आदेश देने के बाद, उन्होंने एक पुलिस टीम के साथ उपर्युक्त वाहन की तलाश की और उसे इंद्रलोक फेज-06 ड्रैगन चाइनीज के सामने सड़क पर पाया। उक्त वाहन का निरीक्षण करने और उसमें प्रतिबंधित खाद्य पदार्थ होने का संदेह होने पर, वाहन के चालक मालिक के बारे में जानकारी ली गई, लेकिन चूंकि वाहन का चालक मालिक नहीं मिला, इसलिए उक्त वाहन को आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस स्टेशन ले जाया गया। इसके बाद, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, ठाणे की सहायता से, एम.एच. 02, ई.आर. महाराष्ट्र राज्य के खाद्य एवं औषधि प्रशासन के खाद्य सुरक्षा आयुक्त द्वारा वाहन संख्या 7094 में माल की तलाशी के दौरान, महाराष्ट्र राज्य अधिसूचना संख्या ए.एस.एम.के .ए.अधिसूचना 411/202507 दिनांक 16/07/2025 के अनुसार, महाराष्ट्र राज्य में गुटखा, पान मसाला और सुगंधित तंबाकू तथा अन्य समान खाद्य पदार्थों के भंडारण बिक्री, उत्पादन, परिवहन और वितरण पर एक वर्ष की अवधि के लिए प्रतिबंध लगाया गया है। इस दौरान 6,63,285/- रुपये मूल्य का माल और टाटा कंपनी का एसीई मॉडल मिनी टेम्पो, जिसकी कीमत 2,50,000/- रुपये है, कुल मिलाकर 9,13,285/- रुपये नौ लाख तेरह हजार दो सौ पचासी रुपये का माल जब्त किया गया। टेम्पो संख्या एम.एच. 02, ई.आर. 7094 में पान मसाला, सुगंधित तंबाकू और महाराष्ट्र राज्य में बिक्री के लिए प्रतिबंधित अन्य समान वस्तुओं का भंडारण करने के मामले में, संदीप बाबूराव डोलताडे, आयु- 29 वर्ष, पेशाः नौकरी (खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, ठाणे कार्यालय ने नवघर पुलिस ठाणे अपराध पंजीकरण संख्या 158/2026, 30 (2) (Ô) विनियम 3.1.7 (खाद्य उत्पाद और खाद्य योजक) खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 और अधिसूचना संख्या ए. सु. का. अधिसूचना/411/2025/07, दिनांक 16/07/2025 के तहत उक्त टेम्पो के चालक/मालिक के खिलाफ मानक अधिनियम की धारा 59 और बी.एन.वाई.एस. के उल्लंघन के लिए मामला दर्ज किया है। धारा 223, 274, 275 और 123 के तहत 31/03/2026 को 21.41 बजे दाखिल किया गया। उपरोक्त कार्य द्वारा किया गया निकेत कौशिक, पुलिस आयुक्त, एमबीवीवी पुलिस कमिश्नरेट, दत्तात्रेय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, राहुल चव्हाण पुलिस उपायुक्त, जोन एक सोहेल शेख, सहायक पुलिस आयुक्त, नवघर डिवीजन, धीरज कोली, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, नवघर पुलिस स्टेशन, पोनी दत्तात्रय ड्यूम (अपराध), साथ ही पौपानिरी संदीप वास्कोटी, सचिन उबले, पोहवा सतीश बोरहाडे, रविकांत वानमारे, प्रदीप काटकर, तानाजी कौटे, पोसी अक्षय पोवार शामिल थे।

फिलिप मॉरिस इंडिया को लगातार पाँचवें साल ग्रेट प्लेस टू वर्क के रूप में प्रमाणित किया गया

मुंबई। फिलिप मॉरिस इंडिया ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में आईपीएम इंडिया होलसेल ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड) (पीएम इंडिया) को ग्रेट प्लेसेज टू वर्क इंस्टीट्यूट द्वारा लगातार पाँचवें साल ग्रेट प्लेस टू वर्क 2026-27 चुना गया गया है। इस सर्टिफिकेशन से प्रदर्शित होता है कि पीएम इंडिया कार्यस्थल पर लगातार एक प्रगतिशील संस्कृति का निर्माण करने पर केंद्रित है, ताकि कर्मचारियों को सबसे बेहतर अनुभव प्राप्त हो सके। अपनी पीपल-फर्स्ट स्ट्रेट्जी के तहत पीएम इंडिया अपने कर्मचारियों को काम करने का सही वातावरण, बेहतर संसाधन और करियर एवं प्रोफेशनल विकास के अवसर प्रदान करके उन्हें लगातार आगे बढ़ने में सहयोग देने तथा एक बेहतर जीवन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। पीएम इंडिया की संस्कृति पीएमआई डीएनए - वी केयर, वी आर बैटर टुगैदर, वी आर गेम चेंजर्स पर आधारित है, जो हमारी टीमों द्वारा सहयोग करने, इनोवेट करने और नेतृत्व करने की बुनियाद बनाती है। पीएम इंडिया के ग्रो टेलेंट ग्रो बिजनेस (जीटीजीबी) अभियान के अंतर्गत, कर्मचारियों को करियर के व्यापक अनुभवों की खोज करने, चुनौतियों को स्वीकार करने तथा अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए लगातार सीखते रहने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। मोबिलिटी विकास के सफर में बढ़त प्रदान करती है, इसलिए संगठन अपने कर्मचारियों को क्रॉस-फंक्शनल और क्रॉस-मार्केट कार्य के अवसर प्रदान करता है, ताकि उन्हें ग्लोबल और रीजनल एक्सपोजर मिल सके। इससे कर्मचारियों को व्यापक अनुभव और कई संस्कृतियों की समझ प्राप्त होती है। साथ ही, वो कंपनी के दीर्घकालिक उद्देश्य को समझकर व्यक्तिगत विकास को संगठन के लक्ष्यों के साथ जोड़कर आगे बढ़ने में समर्थ बनते हैं। पीएम इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, नवनील कर ने कहा, ग्रेट प्लेस टू वर्क का सम्मान पाना हमारे लिए गौरव की बात है। यह सम्मान एक ऐसी संस्कृति का निर्माण करने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है, जिसमें हर व्यक्ति महत्वपूर्ण, सशक्त और प्रतिदिन सबसे बेहतर काम करने के लिए प्रोत्साहित महसूस करे। हम इनोवेशन और सहयोग की मदद से लगातार सबसे बेहतर प्रदर्शन बनाए रखने के लिए एक साझा लक्ष्य का निर्माण करने के महत्व को समझते हैं। किंगशुक दास, डायरेक्टर, पीपल एंड कल्चर, पीएम इंडिया ने कहा, ह्यह्यहमें ग्रेट प्लेस टू वर्क के रूप में प्रमाणित होने पर बेहद खुशी है। यह सर्टिफिकेशन एक समावेशी संस्कृति का निर्माण करने, क्षमताओं का विकास करने तथा कर्मचारियों को बेहतर जीवन के साथ अपने करियर को आगे बढ़ाने के अवसर प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। हमारे बिजनेस की सफलता के लिए टेलेंट का निर्माण करना बहुत आवश्यक है।

170 करोड़ की मल्टी-पार्टनर पहल शिक्षानेक्स्ट लॉन्च

मुंबई / भारत, 31 मार्च 2026ः एक बोल्ड, मल्टी-डोनर एवं बहु वर्षीय पहल शिक्षानेक्स्ट, जिसका उद्देश्य ऐडटेक एवं एआई का सदुपयोग कर वंचित समुदायों के बच्चों के लर्निंग के परिणामों में सुधार लाना है; हाल ही में नई दिल्ली में भारत सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और शिक्षा मंत्रालय के सचिव, आईएएस, संजय कुमार ने इस पहल का लॉन्च किया। शिक्षानेक्स्ट रु 170 करोड़ की तीन वर्षीय पहल है, जिसका उद्देश्य देश भर में 13 मिलियन से अधिक बच्चों को 2029 तक टेक्नोलॉजी एवं एआई-इनेबल्ड लर्निंग के अवसरों के साथ सशक्त बनाना है। इस पहल को कई परोपकारी संगठनों एवं साझेदारों का समर्थन प्रापत है, जो टेक्नोलॉजी के जरिए लर्निंग के परिणामों को बेहतर बनाना चाहते हैं। इस गठबंधन में माइकल एंड सुसन डेल फाउंडेशन, रिलायंस फाउंडेशन और गेट्स फाउंडेशन - फाउंडिंग स्ट्रैटेजिक पार्टनर हैं, जबकि सेंट्रल स्क्वेयर फाउंडेशन मैनेजिंग पार्टनर की भूमिका में हैं। शिक्षानेक्स्ट- परोपकार और विशेषज्ञता का संयोजन है, जो कार्यान्वयन और प्रभाव पर विशेष रूप से फोकस करता है। इस पहल के लॉन्च के अवसर पर सभा को सम्बोधित करते हुए धमेन्द्र प्रधान शिक्षा मंत्री, भारत सरकार ने 2047 तक विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त किया। शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने, अध्यापकों को सशक्त बनाने और कार्य के भविष्य के लिए युवाओं को तैयार करने में टेक्नोलॉजी एवं एआई की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ह्यह्ययह एक महत्वपूर्ण मंच है, जहां सरकार, समाज और संस्था ने ऐडटेक को सही मायनों में सबका ऐडटेक बनाने के लिए एक दूसरे के साथ हाथ मिलाया है। अगला कदम इसे जल आंदोलन में बदलना होगा, जो सुनिश्चित करेगा कि टेक्नोलॉजी हर लर्नर को लाभान्वित करे। भारत ग्लोबल साउथ के समक्ष ऐसा मॉडल प्रस्तुत करेगा, ऐडटेक को सभी के लिए किफायती एवं सुलभ बनाए।

इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूटने गुजरात टाइटन्स के साथ आधिकारिक सर्टिफिकेशन पार्टनर के रूप में करार

मुंबई। इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ने इंडियन ळ20 लीग के मौजूदा सीजन के लिए गुजरात टाइटन्स के साथ साझेदारी की घोषणा की है। यह सहयोग ज्वेलरी उद्योग में उपभोक्ता जागरूकता, पारदर्शिता और जिम्मेदार निर्णय लेने की प्रक्रिया को मजबूत बनाने के IGI के सतत प्रयासों का हिस्सा है। गुजरात टाइटन्स के व्यापक प्रभाव और लोकप्रियता का लाभ उठाते हुए IGI का उद्देश्य डायमंड सर्टिफिकेशन को अधिक सुलभ और व्यापक दर्शकों के लिए प्रासंगिक बनाना है। इस पहल पर IGI के ग्लोबल CEO तेहमास्प प्रिंटर ने कहा, जैसे क्रिकेट में हर निर्णय को सटीक और संदेह से परे सुनिश्चित करने के लिए DRS पर भरोसा किया जाता है, उसी तरह IGI हर प्रमाणित हीरे के लिए स्वतंत्र और विश्वसनीय मूल्यांकन का मानक प्रदान करता है। इस अवसर पर गुजरात टाइटन्स के कर्नल अरविंदर सिंह, सीओओ ने कहा, इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट के साथ साझेदारी कर हमें खुशी हो रही है। गुजरात का शिल्पकला, सटीकता और उत्कृष्टता की समृद्ध परंपरा से गहरा संबंध रहा है और यह सहयोग इन मूल्यों के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दशार्ता है। गुजरात टाइटन्स में हम ऐसे साझेदारों के साथ काम करना पसंद करते हैं जो अपने क्षेत्र में विश्वास, ईमानदारी और निरंतरता का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह साझेदारी हमारी टीम के आसपास उद्देश्य-प्रेरित और उच्च प्रदर्शन वाली इकोसिस्टम के निर्माण के प्रयासों को और मजबूत करेगी।

डी'डेकॉर होम फैब्रिक्स ने नया शोरूम लॉन्च कर अपनी रिटेल मौजूदगी का विस्तार किया

मुंबई। डी'डेकॉर होम फैब्रिक्स ने पूरे भारत में अपने विस्तार का सफर जारी रखते हुए आज कोल्हापुर में अपना नया शोरूम खोला है। यह उपलब्धि ब्रांड की मजबूत ग्रोथ ट्रेजेक्टरी और रिटेल स्केलिंग (रिटेल का दायरा बढ़ाने) की क्षमताओं को दशार्ती है। साथ ही, यह उन उपभोक्ताओं के साथ ब्रांड के बढ़ते जुड़ाव को भी दिखाती है जो प्रीमियम होम डेकोर सॉल्यूशंस की तलाश में हैं। यह लॉन्च ब्रांड की डिजाइन एक्सीलेंस, नवाचार और एलिवेटेड लिविंग एक्सपीरियंस (बेहतर जीवन अनुभव) के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। बेहद कम समय में, ब्रांड ने होम डेकोर रिटेल सेक्टर को पूरी तरह से नया अंदाज दिया है। यहाँ ग्राहकों को शॉपिंग का एक शानदार अनुभव मिलता है, जिसमें डी'डेकॉर के बेहतरीन पर्दे और अपहोल्स्ट्री फैब्रिक्स, बेडिंग और वॉलपेपर शामिल हैं। इसके साथ ही, यहाँ डी'डेकॉर के फैब्रिकेयर ब्रांड द्वारा पेश किए गए एडवांस्ड और हाई-परफॉर्मेंस सॉल्यूशंस भी उपलब्ध हैं – जैसे आसानी से साफ होने वाले पर्दे, अपहोल्स्ट्री फैब्रिक्स, रग्स, ब्लाइंड्स और बहुत कुछ। कोल्हापुर के इस नए स्टोर को एक सिग्नेचर होम डेकोर डेस्टिनेशन के रूप में तैयार किया गया है। यहाँ पर्दों, अपहोल्स्ट्री, बेड लिनेन और वॉलपेपर्स में बहुत ही बारीकी से तैयार किए गए डिजाइनों, टेक्सचर्स और पैटर्न्स का विशाल संग्रह प्रदर्शित किया गया है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के हाथों कुलपति प्रो .वंदना सिंह को मिला माटी सम्मान

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह को पूर्वांचल क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान हेतु प्रतिष्ठित ह्लमाटी सम्मानह्व से सम्मानित किया गया। यह सम्मान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा दिनांक 31 मार्च 2026 को पूर्वांचल महोत्सव माटी-9 कार्यक्रम के अवसर पर गांधी दर्शन परिसर राजघाट में प्रदान किया गया। यह भव्य आयोजन ह्लमाटीह्व संस्था एवं गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित था। बुधवार को नई दिल्ली से विश्वविद्यालय आने पर कुलपति सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने कुलपति प्रो. वंदना सिंह को ह्लमाटी सम्मानह्व प्राप्त होने पर बधाई दी और उनका स्वागत किया।इस अवसर पर कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि यह सम्मान उन्हें निरंतर समर्पित भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जीवन में निष्काम भाव अपने कार्य करते रहना चाहिए। कुलसचिव केशलाल ने कहा कि यह सम्मान कुलपति के उत्कृष्ट नेतृत्व, दूरदर्शिता एवं शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नवाचार का प्रतीक है। परीक्षा नियंत्रक विनोद कुमार सिंह ने इसे विश्वविद्यालय परिवार के लिए प्रेरणास्रोत बताया और कहा कि यह उपलब्धि सभी शिक्षकों, प्राचार्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को नई ऊर्जा प्रदान करेगी।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने सभी की ओर से आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर मनोज मिश्रा ने किया। इस अवसर पर प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. संदीप सिंह, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. गिरधर मिश्रा, प्रो. विनोद कुमार, प्रो. राम नारायण, डॉ. अमरेंद्र सिंह, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह, डॉ. मनीष गुप्ता, , डॉ. नीतेश जायसवाल, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. मंगला यादव, डॉ. अनुराग मिश्र, उप कुलसचिव अजीत कुमार सिंह एवं बबीता सिंह सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

मार्च 2026 में 1,350 यूनिट्स की बिक्री के साथ दर्ज की 137% की बढ़त

मुंबई। भारत की तेजी से बढ़ती प्रीमियम इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनियों में शामिल ओडिसी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स ने मार्च 2026 में अब तक का अपना सबसे बेहतरीन मासिक प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी ने इस महीने कुल 1,350 यूनिट्स की बिक्री की। यह आंकड़ा फरवरी 2026 (1,127 यूनिट्स) के मुकाबले करीब 20% ज्यादा है और मार्च 2025 (569 यूनिट्स) की तुलना में सालाना आधार पर लगभग 137% की भारी बढ़त को दशार्ता है। ओडिसी इलेक्ट्रिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री नेमिन वोरा ने कहा, मार्च में मिली यह मजबूत बढ़त हमारे बाजार में अपनी मौजूदगी बढ़ाने और भरोसेमंद व हाई-परफॉर्मेंस इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधान देने के लगातार प्रयासों का परिणाम है। दुनिया भर में ईंधन की बदलती स्थितियों और बढ़ती पर्यावरण जागरूकता के बीच, इस अवधि का मजबूत अंत इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के प्रति हमारे आत्मविश्वास को और बढ़ाता है। जैसे-जैसे मांग बढ़ रही है, हमारा ध्यान अपने नेटवर्क को मजबूत करने, ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने और भारतीय उपभोक्ताओं के लिए नए व इनोवेटिव उत्पाद पेश करने पर बना रहेगा। ओडिसी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स का पोर्टफोलियो काफी विविधतापूर्ण है, जो शहरी यात्रियों से लेकर परफॉर्मेंस पसंद करने वाले राइडर्स तक सबकी जरूरतें पूरी करता है। कंपनी के लाइनअप में हाई-फाई, रेसर नियो, सन, ट्रॉट 2.0, स्नैप और हॉक लि जैसे इलेक्ट्रिक स्कूटर शामिल हैं, जो लो-स्पीड और हाई-स्पीड दोनों सेगमेंट्स में उपलब्ध हैं। इन्हें रोजमर्रा की यात्रा, लास्ट-माइल कनेक्टिविटी और फ्लीट (डिलीवरी आदि) उपयोग के लिए डिजाइन किया गया है।

महोत्सव 2026 : डीएम ने जनपदवासियों से की सहभागिता की अपील

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर में 3 अप्रैल से 5 अप्रैल 2026 तक बलरामपुर महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ विपिन कुमार जैन ने जनपदवासियों से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने की अपील की है। जिलाधिकारी ने बताया कि लगभग 20 वर्षों के बाद इस तरह का विशाल सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित हो रहा है, जिसमें मेले, झूले और विभिन्न मनोरंजन कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहेंगे। देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले कलाकार इस आयोजन को और खास बनाएंगे। प्रमुख कार्यक्रम (3 अप्रैल) तृप्ति शाक्य शाम 7:00 से 8:00 बजे, मालविका हरिओम शाम 6:00 से 7:00 बजे, डॉ सुनील जोगी, दिनेश रघुवंशी, अनिल अग्रवंशी, माणिका दुबे, अभय निर्भीक, राहुल शर्मा (भजन गायक) मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम प्रतिदिन सुबह 10 बजे से रात 11:00 बजे तक आयोजित होगा। आयोजन स्थल पर लगभग 4000 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर डॉ हेमंत कुमार गुप्ता ने भी लोगों से अपील की कि वे अपने परिवार और बच्चों के साथ इस महोत्सव में शामिल होकर इसे सफल बनाएं। प्रशासन के अनुसार, यह महोत्सव जनपद की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।